दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — राज्य में संक्रमण से 80 लोगो...
4 अभिव्यक्ति — लापरवाही से बढ़ रहा कोरोना ...
6 छत्तीसगढ़ — मुझे आप लोगों पर गर्व है ...
7 आंचलिक — लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने

www.navpradesh.com
भोपाल, बुधवार 22 अप्रैल 2020, वैशाख अमावस्या, विक्रम संवत-2077 वर्ष-04 अंक-12 पृष्ठ-08 मूल्य-3.00
डाक पंजीयन संख्या -म प्र /भोपाल /4-468/2018-20
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

देश में कोरोना का कहर बदस्तूर जारी है। इसके बावजूद कई लोग लॉकडाउन को गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं है। जिन राज्यों में कोरोना संक्रमण का खतरा ज्यादा है वहां भी लॉकडाउन की धज्जियां उड़ाने से जाहिल लोग बाज नहीं आ रहे हैं। केन्द्र सरकार ने कुछ शर्तों के साथ आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की इजाजत दी है लेकिन उन शर्तों को भी पूरा नहीं किया जा रहा है। ऐसे राज्यों पर केन्द्र की नजर है और वहां दी गई छूट वापस ली जा सकती है। लगता है निकम्मी राज्य सरकारें लॉकडाउन को और आगे बढ़वा कर ही दम लेंगी।

कोरोना अपडेट

देश	कंफर्म केस	मौत
भारत	19165	609
अमेरिका	792958	42531
स्पेन	204178	21282
इटली	181228	24114
फ्रांस	155383	20265
ब्रिटेन	124743	16509
ईरान	84802	5297
टर्की	90980	2140
कनाडा	36831	1690
स्वीट्जरलैंड	28063	1436
पुर्तगाल	21379	762
ऑस्ट्रेलिया	14873	491
रूस	52763	456

पंचरत्नो के सहारे प्रदेश को चलाने की चुनौती, शिवराज की टीम में सबको साधने के तैयारी!

शिव पंचरत्नों के सहारे लड़ेंगे कोरोना से ?

नरोत्तम, तुलसी , कमल,गोविंद ,मीना को प्रदेश की जिम्मेदारी

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। चौथी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह चौहान के शपथ लेने के 28 दिन बाद बने नैनो मंत्रिमंडल में बड़ी सोशल इंजीनियरिंग नजर आ रही है। इस सोशल इंजीनियरिंग की वजह से भाजपा में मंत्री बनने की आस लगाए बैठे कई वरिष्ठ नेताओं को तरजीह नहीं दी गई। हालांकि, अभी ये कहना जल्दबाजी होगी कि इससे मंत्री बनने की आस लगाए बैठे भाजपा नेताओं में असंतोष है। लेकिन, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय नेतृत्व के नैनो मंत्रिमंडल का फैसला हैरान जरूर करता है। शिवराज ने अपने मंत्रिमंडल में प्रदेश हर वर्ग को साधने की कोशिश की है। इसमें ब्राह्मण, ठाकुर, ओबीसी और दलित और आदिवासी वर्ग के नेताओं को मंत्री बनाया है। मंत्रिमंडल में दो सिंधिया समर्थक मंत्री हैं लेकिन उनके गढ़ ग्वालियर-चंबल संभाग से उनके किसी समर्थक को जगह नहीं मिली। उसकी जगह नरोत्तम मिश्रा इस क्षेत्र से मंत्री बने। भाजपा महासचिव **शेष पृष्ठ 7 पर**

कई वरिष्ठ विधायक होल्ड पर

भाजपा के वरिष्ठ विधायकों गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह, गौरीशंकर बिसेन, विजय शाह, यशोधरा राजे सिंधिया, राजेंद्र शुक्ला और रामपाल सिंह को अभी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। वहीं, कांग्रेस से भाजपा में आए बिसाहूलाल सिंह, महेंद्र सिंह सिसोदिया और प्रभुराम चौधरी को भी फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। पहले चर्चा थी सिंधिया के दबाव में मंत्रिमंडल 10 से 12 मंत्रियों का हो सकता है, लेकिन भाजपा आलाकमान ने अभी नैनो कैबिनेट रखने को कहा था। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्?डा से मंजूरी मिलने के बाद सोमवार देर शाम एक बार फिर नामों पर विचार हुआ। साथ ही फोन पर प्रदेश के नेताओं और मुख्यमंत्री के बीच चर्चा हुई। इसके बाद राजभवन को सूचना दी गई कि मंगलवार दोपहर 12 बजे साधारण रूप से शपथ होगी।

कमल पटेल की वापसी

शिवराज और कैलाश विजयवर्गीय के करीबी माने जाने वाले कमल पटेल पहले भी शिवराज सरकार में तकनीकी शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। कहा जा रहा है कि कमलनाथ सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे सिलावट शिवराज की सरकार में जगह मिलने पर इस विभाग की दोबारा जिम्मेदारी नहीं चाहते थे। इसी वजह से हरदा से विधायक कमल पटेल को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

ग्वालियर-चंबल संभाग में घमासान के आसार

सूत्रों का कहना है कि आने वाले समय में सबसे ज्यादा राजनीतिक घमासान ग्वालियर-चंबल संभाग में ही देखने को मिल सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे के जो विधायक कमलनाथ सरकार में मंत्री थे, उनका मंत्री बनना तय है। इसमें से चार ग्वालियर-चंबल संभाग से ही आते हैं। इसके अलावा एंदल सिंह कंसाना और रघुराज कंसाना सिंधिया समर्थक तो नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस छोड़कर मंत्री बनाए जाने आश्वासन पर ही भाजपा में आए। ऐसे में यहां भाजपा नेताओं का क्या होगा और उनकी अगली रणनीति क्या होगी, इस पर भी कयास लगाए जा रहे हैं। ग्वालियर के ही कुछ वरिष्ठ नेता सिंधिया समर्थकों के पार्टी में आने और उन्हें मत्री बनाए जाने से खुश नहीं हैं।

ऐसी है शिवराज की सोशल इंजीनियरिंग

नरोत्तम मिश्रा: दतिया से विधायक नरोत्तम भाजपा कद्दावर नेता है। सामान्य वर्ग से आते हैं। शिवराज सरकार के पिछले 3 कार्यकाल में में भी मंत्री रह चुके हैं। केंद्रीय नेताओं से अच्छे संपर्क और ग्वालियर-चंबल संभाग की भविष्य की राजनीति को साधने के लिए पहली बार में मंत्री बनाए गए।

तुलसी सिलावट: अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। मालवा क्षेत्र के बड़े नेताओं में शुमार हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया के सबसे खास व्यक्ति माने जाते हैं। कमलनाथ सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं। तुलसी सिलावट के भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी को अनुसूचित जाति वर्ग का एक बड़ा नेता मिल गया है।

गोविंद सिंह राजपूत: बुंदेलखंड के बड़े ठाकुर नेताओं में एक हैं। सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। सिंधिया खेमे के रसूखदार ठाकुर नेता होने की वजह से मंत्री बनाए गए। कमलनाथ सरकार में ये राजस्व मंत्री रह चुके हैं।

मीना सिंह: अनुसूचित जनजाति वर्ग से आती हैं। महिला और आदिवासी वर्ग का प्रतिनिधित्व करती हैं। आदिवासी बाहुल्य उमरिया जिले से विधायक हैं।

कमल पटेल: ओबीसी वर्ग से आते हैं। शिवराज और कैलाश विजयवर्गीय के करीबी माने जाते हैं। पहले भी मंत्री रह चुके हैं। हरदा से विधायक हैं।

बिजली कंपनियों की सहायता के लिए 70000 करोड़ का कोविड-19 पैकेज जल्द

नई दिल्ली। कोरोना के कारण 25 मार्च से 3 मई तक पूरा भारत लॉकडाउन है। राष्ट्रव्यापी तालाबंदी से फैक्ट्रियां बंद हैं, निर्माण गतिविधि निलंबित हैं, रेस्तरां और दुकानें भी बंद हैं। आम आदमी तो इन सबसे जूझ ही रहा है पावर कंपनियां भी संकट में हैं। नकदी की किल्लत, बिजली बिल के कलेक्शन में तेज गिरावट और अपरिवर्तित टैरिफसे इनका बैलेंस शीट इतना बिगड़ गया है कि सरकार बिजली क्षेत्र के लिए 70,000 करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज पर काम कर रही है। शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि बिजली दरों में वृद्धि वितरण कंपनियों के लिए प्राथमिक राजस्व स्रोत (डिस्कॉम) जो घरों, कारखानों और कॉर्पोरेट टावरों तक बिजली पहुंचाते हैं, लगभग 80 प्रतिशत तक गिर गए हैं। तापमान बढ़ने के बाद भले ही कोरोना का कुछ न बिगड़ रहा हो पर आने वाले दिनों में बिजली सप्लाई करने में सरकार के पसीने निकलने लगेंगे। उधर उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में कई क्षेत्रों में 40 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान के साथ तेजी से आ रही गर्मी के बावजूद पीक ऑवर में बिजली की मांग में तेजी से गिरावट आई है।

मध्य प्रदेश कैबिनेट : शिवराज कैबिनेट की पहली बैठक

मंत्रियों को विभाग के बजाए संभागों का बंटवारा, हर मंत्री को दो-दो संभाग दिए

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा- हमने छोटे मंत्रिमंडल में हर वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया

लॉकडाउन खत्म होने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा, मंत्रियों को विभागों का आवंटन जल्द होगा

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को छोटे मंत्रिमंडल का गठन कर लिया, लेकिन अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया है। उन्होंने सभी मंत्रियों को दो-दो संभागों का प्रभारी बनाया है। साथ ही कहा है कि लॉकडाउन समाप्त होने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट के साथ बैठक की और कोरोना से लड़ाई को लेकर सरकार द्वारा 24 मार्च से आज तक लिए गए फैसलों के बारे में भी बताया। मुख्यमंत्री ने **शेष पृष्ठ 7 पर**

किसको कौन से संभाग का प्रभार

मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए मंत्रियों को संभागों का प्रभार सौंपा गया है। नरोत्तम मिश्रा को भोपाल और उज्जैन संभाग, तुलसी सिलावट को इंदौर और सागर संभाग, कमल पटेल को जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग, गोविंद सिंह राजपूत को चंबल और ग्वालियर संभाग, मीना सिंह को रीवा और शहडोल संभाग का प्रभार सौंपा गया है।

मंत्री संभाग के अफसरों से समन्वय बनाकर कोरोना से लड़ेंगे

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि सभी मंत्री दिए गए संभागों में कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर, एसपी, स्वास्थ्य विभाग और अन्य अमले से निरंतर समन्वय बनाएंगे और कोरोना से लड़ने के लिए अच्छी से अच्छी व्यवस्था बनाएंगे। मंत्रिमंडल के सदस्य मंत्री, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों का सक्रिय सहयोग लेंगे और जनता का फीडबैक भी लेंगे।

देश में कोरोना से करीब 19000 संक्रमित, 603 की मौत

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 1329 नये मामले दर्ज किये जाने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 19 हजार के पास पहुंच गयी तथा इस दौरान इस संक्रमण के कारण 44 और लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 600 के पार हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार शाम पांच बजे जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। पूरे देश में कोरोना संक्रमण के अब

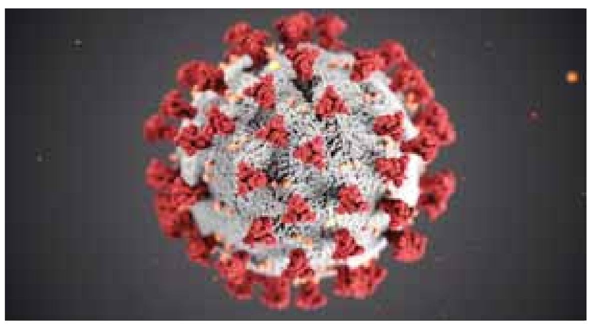

तक 18985 मामलों की पुष्टि हुयी है जिनमें 77 विदेशी मरीज शामिल हैं। कोरोना वायरस से अब तक 603 लोगों की मौत हुयी है। कोरोना संक्रमितों के स्वस्थ होने की रफ्तार भी तेज हुई है और पिछले 24 घंटों में कोरोना से संक्रमित 718 लोगों के स्वस्थ होने के साथ ऐसे लोगों की संख्या 3260 पर पहुंच गयी है।

कोरोना वायरस से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या में एक दिन में 466 की वृद्धि दर्ज की गयी और कुल आंकड़े 4669 पर पहुंच गये। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में नौ और लोगों की मौत के बाद इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 232 हो गयी है। राज्य में 572 संक्रमित मरीज ठीक हो चुके हैं। संक्रमितों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है जहां अब तक कुल 2081 लोग इस महामारी से संक्रमित हुए हैं तथा 47 लोगों की मृत्यु हुई है। राजधानी में कुल 431 लोग ठीक भी हुए हैं। **शेष पृष्ठ 7 पर**

देश के 61 जिलों में पिछले 14 दिनों में कोरोना का कोई नया मामला नहीं : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट के बीच थोड़ी राहत की भी खबर है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगवाल को बताया कि देश के 61 जिलों में पिछले 114 दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण का कोई नया मामला नहीं आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश में पिछले 14 घंटे में कोरोना वायरस के 1336 नए मामले सामने आए हैं। देश में अब कोरोना के कुल 18,601 मामले हो चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना वायरस से 3,252 लोग देश में ठीक हो चुके हैं, सोमवार को 705 कोरोना मरीज ठीक हुए हैं। **शेष पृष्ठ 7 पर**

केन्द्रीय दलों के काम में बाधा न डाले पश्चिम बंगाल सरकार : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार को कोरोना महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा और उससे निपटने के लिए किये जा रहे उपायों का मूल्यांकन करने के लिए राज्य के दौरे पर गये केन्द्रीय दल के काम में बाधा नहीं डालने का निर्देश दिया है।

केन्द्रीय गृह सचिव ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा है कि गृह मंत्रालय को पता चला है कि कोलकाता और जलपाईगुड़ी भेजे गये अंतरमंत्रालय केन्द्रीय दलों को राज्य और स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा जरूरी सहयोग नहीं दिया जा रहा है। इन दलों को विभिन्न जगहों के दौरों , स्वास्थ्य पेशेवरों से बातचीत और जमीनी हालात का मूल्यांकन करने से रोका जा रहा है। यह केन्द्र सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत जारी आदेशों तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के पालन में बाधा पहुंचाने के समान है।

गरमा-गरम

कोरोना वायरस — रायसेन में 2 और जमाती संक्रमित, जिला प्रशासन द्वारा 31 नए मरीजों के संक्रमित होने की पुष्टि की गई है

भोपाल में 31 नए पॉजिटिव मरीज मिले, 285 पर पहुंचा आंकड़ा

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में कोरोनावायरस से संक्रमित मरीजों का आंकड़ा थमता नजर नहीं आ रहा है। जिला प्रशासन द्वारा आज 31 नए मरीजों के संक्रमित होने की पुष्टि की गई है। इन नए मरीजों के साथ ही राजधानी भोपाल में संक्रमित मरीजों की संख्या 285 पर पहुंच गई है। उधर, रायसेन में क्वारैंटाइन सेंटर में रखे गए 2 जमातीयों की रिपोर्ट और पॉजिटिव आई है। इन नए जमातीयों के साथ ही जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या 26 हो गई है। इसमें 25 जमाती हैं। भोपाल से शुक्रवार और

शनिवार को दिल्ली भेजे गए 2638 कोराना सैम्पल की रिपोर्ट आज आ सकती है। रिपोर्ट आने के बाद संक्रमित मरीजों की संख्या में और इजाफा होगा। भोपाल में मंगलवार को जो 31 लोगों को संक्रमण की पुष्टि हुई हैं उसमें ईओडब्ल्यू डीजी राजीव टंडन का ड्राइवर और बेटा कोरोना पॉजिटिव मिला है। इसके बाद डीजी के परिवार के सदस्यों सहित कार्यालय के कर्मचारियों को क्वारैंटाइन किया गया है। कार्यालय को सील कर दिया गया है। ये भी पता चला है कि डीजी के ड्राइवर का बेटा भोपाल पुलिस में आरक्षक है।

सोमवार को 27 संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट आई थी पॉजिटिव

राजधानी के कोरोना हॉटस्पॉट जहांगीराबाद क्षेत्र में सोमवार को 27 लोगों के संक्रमित होने की रिपोर्ट आई थी। इसमें एक ही परिवार के आठ लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। इनमें 9 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, जेपी अस्पताल की एक महिला कर्मचारी की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई थी। जहांगीराबाद के जिस परिवार में 8 पॉजिटिव मिले हैं, उनमें से सात को परिवार की ही बुजुर्ग महिला से कोरोना मिला। महिला सऊदी अरब से उमरा कर लौटी थीं। 13 अप्रैल को उन्हें हार्टअटैक आया। परिवार उन्हें हमीदिया ले गया, जहां कोरोना टेस्ट में पॉजिटिव मिलने के बाद उन्हें चिरायु भेज दिया गया।

पहले मरीज ने कोरोना को हराया

रायसेन में कोरोना वायरस संक्रमण के पहले मरीज की तीसरी रिपोर्ट निगेटिव आई है। इस आधार पर उसे एम्स अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 8 अप्रैल को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे भोपाल एम्स अस्पताल भेज दिया गया था। यहां पर उसने डॉक्टरों द्वारा बताए गए टिप्स का पालन करते हुए कोरोना को हरा दिया है **शेष पृष्ठ 7 पर**

पीएम से बोले गहलोत-आपने विदेशियों की मदद की, अब प्रवासी मजदूरों को घर जाने दें

नई दिल्ली (ए.)। उत्तर प्रदेश सरकार के कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान राजस्थान के कोटा से अपने छात्रों को बाहर निकालने के कदम ने अन्य राज्यों को अपने फंसे हुए प्रवासी कामगारों की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने के लिए दबाव में लिया है। बिहार को छोड़कर, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम और झारखंड जैसे कई राज्यों ने अपने फंसे हुए प्रवासियों और छात्रों की वापसी की सुविधा के लिए अब राजस्थान सरकार से संपर्क किया है और उनके घर वापस आने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के अलावा, उत्तराखंड ने भी अपने छात्रों को वापस बुला लिया है। इस कदम ने विभिन्न राज्यों में फंसे हुए प्रवासी कामगारों को उनके मूल स्थानों पर भेजने की मांग को तेज कर दिया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उन्होंने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की और उन्हें बताया कि उनके राज्य में दूसरों की तुलना में एक अलग समस्या है। उन्होंने कहा कि- ''असम, उत्तर पूर्व, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गोवा, केरल, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में प्रवासी श्रमिकों, दुकानदारों, निजी कर्मचारियों, छोटे व्यापारियों सहित बड़ी संख्या में राजस्थानियों फंसे हुए हैं। वे निराश और हताश होकर अपने घरों को वापस जाना चाहते हैं और अपने परिवार के सदस्यों से मिलना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे अपने परिवार के सदस्यों से मिलने के बाद संतुष्ट महसूस करेंगे और लॉकडाउन खत्म होने के बाद खुशी-खुशी उन राज्यों में वापस जाएंगे।

कोरोना वायरस संक्रमण में आई तेजी

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र को प्रवासी कामगारों को कम से कम पांच दिन का समय देना चाहिए था और अन्य लोगों को अपने घरों में वापस जाना चाहिए क्योंकि प्रतिबंधों को लागू करने से पहले उन्होंने उड़ानों को अनुमति दी थी। उन्होंने कहा कि शाह ने उन्हें आश्वासन दिया है कि केंद्र जल्द ही इस मुद्दे पर एक कॉल करेगा। गहलोत ने कहा, गृह मंत्री ने मुझे बताया कि वह मुझे कल सरकार के फैसले के बारे में सूचित करेंगे। बता दें कि भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलो में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1336 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 47 लोगों की मौत हो गई है। मंगलवार को जारी स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 18601 हो गई है। वहीं, इस खतरनाक कोविड-19 महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 590 पहुंच गया है। कोरोना वायरस के कुल 18601 मामलों में से 14759 एक्टिव केस हैं। इसके अलावा, 3522 लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं या उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कोरोना वायरस से सर्वाधिक 232 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई।

ब्लैक लिस्ट से बचने को एफएटीएफ की आंख में यूं धूल झोंक रहा पाकिस्तान

सूची से हटा दिए हजारों आतंकवादियों के नाम

इस्लामाबाद (ए.)। आतंकवाद का निर्यातक देश पाकिस्तान दुनिया की आंख में धूल झोंकने से बाज नहीं आ रहा है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का दिखावा करके एफएटीएफ की काली सूची से बचने की कोशिश में जुटा पाकिस्तान दहशतगर्दों पर कार्रवाई की बजाय उनका नाम सूची से हटा रहा है। पाकिस्तान ने निगरानी सूची से हजारों आतंकवादियों का नाम हटा दिया है। वह कहावत आपने सुनी है ना? नाखून कटा शहीद कहलाना। पाकिस्तान तो नाखून भी नहीं कटाना चाहता नाम काट रहा है।

यह लिस्ट पाकिस्तान के नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी द्वारा तैयार की जाती है। इसका मकसद वित्तीय संस्थानों को यह बताना भी होता है कि सूची में मौजूद लोगों के साथ कारोबार या लेनदेन ना करें। वॉल स्ट्रीट जनरल ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि 2018 में इस लिस्ट में करीब 7,600 नाम थे। पिछले 18 महीनों में इनकी संख्या घटकर 3,800 रह गई है। मार्च के बाद से अब तक 1,800 नाम हटाए जा चुके हैं।

ग्रे लिस्ट में है पाक, ब्लैक सूची में डाले जाने का खतरा

सूची से नामों को हटाए जाने को लेकर कोई कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। पाकिस्तान पर लंबे समय से आतंकवादियों के खिलाफकार्रवाई करने का वैश्विक दबाव है। उस पर फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की काली सूची में डाले जाने की तलवार लटक रही है, पहले से ही वो लिस्ट में मौजूद है। कई बार उसे उसके सदाबहार दोस्त चीन ने बचा लिया है, लेकिन अब उसने आतंकवादियों का नाम सूची से हटाकर धूल झोंकने की कोशिश की है।

कई खूंखार वैश्विक आतंकियों के नाम भी हटाए

लिस्ट से जिन आतंकवादियों के नाम हटाए गए हैं उनमें से कई के नाम अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के आतंकवादियों और प्रतिबंधित सूचियों में शामिल है। कइयों की पहचान डेट ऑफ बर्थ, आईडी नंबर आदि नहीं होने की वजह से नहीं हो पा रही है।

यह दी दलील

इस मुद्दे पर पाकिस्तान में आतंकिक मामलों के एक अधिकारी ताहिर अकबर ने कहा कि यह सूची कई खामियों की वजह से लंबी थी। इसमें कई ऐसे लोगों के नाम थे जिनकी मौत हो चुकी है या उन लोगों के नाम भी शामिल हो गए थे जिन्होंने अपराध तो किया है, लेकिन आतंकवादी समूह से नहीं जुड़े हुए थे।

जून में हो सकता है फैसला

एंटी मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर टेररिज्म फाइनेंसिंग पॉलिसीज पर नजर रखने वाली पेरिस बेस्ड निगरानी संस्था एफएटीएफ पाकिस्तान के प्रदर्शन पर जून में फिर विचार करने जा रही है। जून 2018 से ही एफएटीएफ ने पाकिस्तान पर कड़ी नजर रखी है। यदि पाकिस्तान एक्शन प्लान पर संतोषजनक काम नहीं करता है तो एफएटीएफ सदस्य इसके खिलाफ वोट करके अंतरराष्ट्रीय वित्त व्यवस्था से दूर कर सकते हैं।

भीलवाड़ा में कोरोना की वापसी, एक ही दिन में चार केस मिलने से हड़कंप

भीलवाड़ा (ए.)। राजस्थान के भीलवाड़ा में कोरोना वायरस की वापसी हुई है। एक ही दिन में चार और कोरोना संक्रमित सामने आने से जिला प्रशासन और चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया है। मालूम हो कि कुछ दिनों तक भीलवाड़ा में कोरोना के कहर मचाने के बाद मामले सामने आने बंद हो गए थे। चार नए मामले सामने आने के बाद भीलवाड़ा में कोरोना वायरस से संक्रमित मामलों की संख्या 32 हो गई है। इनमें से 26 लोग स्वस्थ्य हो गए हैं। वहीं, अब तक दो की मौत हो चुकी है। सरकारी सूत्रों ने बताया की भीलवाड़ा के जवाहर नगर कच्ची बस्ती से पति-पत्नी के मालवा आरसी व्यास कॉलोनी में बांगड अस्पताल के समीप एवं एक दिल्ली से लौटी महिला कोरोना संक्रमित पाई गई।

अररिया में लॉकडाउन में जिला कृषि पदाधिकारी की गाड़ी रोकी तो चौकीदार से करवाई उठक-बैठक

अररिया (ए.)। कोरोना लॉकडाउन के समय विपदा की इस घड़ी में पुलिसकर्मी अपनी जान की परवाह किए बगैर लोगों की सुरक्षा में दिन-रात एक किए हुए हैं, दूसर तरफ सरकारी मुलाजिम ही उन्हें अपनी हनक दिखाने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

बिहार के अररिया जिले के सुरसापुर पुल के पास ड्यूटी पर तैनात एक बुजुर्ग चौकीदार द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार की गाड़ी रोकने पर कान पकड़कर उठक-बैठक कराए जाने का वीडियो वायरल होने पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। एसपी धूरत सायली ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो को लेकर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। एसपी ने कहा कि वायरल वीडियो की जांच का आदेश पुलिस अधिकारी को दिया गया है और मंगलवार को रिपोर्ट आ जाएगी और इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

इसमें बैरगाछी ओपी के चौकीदार गणेश लाल तत्मा कई पुलिसकर्मियों और जिला कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार के सामने कान पकड़कर उठक-बैठक करते नजर आ रहे हैं। यही नहीं, चौकीदार बार-बार हाथ जोड़कर माफी मांगता हुआ भी दिख रहा है। वीडियो में एक दारोगा चौकीदार को डांट-फटकार करते सुनाई देते हैं और कहते हैं कि गलती किए हो तो 50 बार उठ-बैठ करो। पदाधिकारी हैं जानते नहीं हो।

बताया जाता है कि जिला

शेयर बाजार में तीन फीसदी की गिरावट

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के साथ ही कोरोना संक्रमण से तत्काल कोई राहत नहीं मिलने के कारण निराश निवेशकों की बिकवाली के दबाव में मंगलवार को शेयर बाजार तीन फीसदी से अधिक की गिरावट लेकर बंद हुये। बीएसई का सेंसेक्स 1011.29 अंक टूटकर 30636.71 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 280.40 अंक फिसलकर 8981.45 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 2.73 प्रतिशत गिरकर 11477.06 अंक पर और स्मॉलकैप 2.96 प्रतिशत उतरकर 10564.85 अंक पर रहा।

टेलीकॉम और हेल्थकेयर को छोड़कर सभी में गिरावट

बीएसई में टेलीकॉम 1.74 प्रतिशत और हेल्थकेयर 1.33 प्रतिशत की बढ़त को छोड़कर शेष सभी समूह गिरावट में रहे। बैंकिंग में सबसे अधिक 5.52 प्रतिशत तथा एफएमसीजी में सबसे कम 0.65 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई में कुल 2565 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1675 गिरावट में और 736 बढ़त में रहे जबकि 154 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दिल्ली एम्स में लगेंगे मिलाग्रो के रोबोट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से लड़ाई में डॉक्टरों की मदद के उद्देश्य से राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मिलाग्रो के रोबोट लगाएं जाएंगे। कम्पनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि दिल्ली एम्स में उसने अपने रोबोट को डॉक्टरों की मदद के लिए तैनात किया है। कंपनी का कहना है कि एक साझेदारी के तहत दिल्ली एम्स के कोविड-19 वार्ड में एडवांस एआई-पावर्ड रोबोट मिलाग्रो आईमैप 9 और ह्यूमनॉइड ईएलएफ रोबोट को लगाया जाएगा। भारत में निर्मित मिलाग्रो आईमैप 9 फर्श को कीटाणुरहित करने वाला रोबोट है जो कि ऑटोमेटिक काम करता है। इसमें सोडियम हाइपोक्लोराइट का घोल इस्तेमाल होता है जिससे

रोबोट फर्श की सतह को साफ करता है। यह रोबोट एलआईडीएआर द्वारा गाइडेड और एडवांस एसएलएएम टेक्नोलॉजी से लैस है जो रोबोट को कहीं टकराने और गिरने से रोकती है। इसके अलावा इन रोबोट में मिलाग्रो की पेटेंटेड रियल टाइम टेरैन रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी (आरटी2आरटी) है जो फ्लोर की मैपिंग सेकेंडों में करती है। मिलाग्रो ह्यूमनॉइड ईएलएफ डॉक्टरों को बिना व्यक्ति-से-व्यक्ति के संपर्क की निगरानी और बातचीत में सक्षम बनाता है। आइसोलेशन वार्डों में रोगी इस रोबोट के माध्यम से समय-समय पर अपने रिश्तेदारों से बातचीत कर सकते हैं। इसमें हाई डेफिनेशन वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग भी है। इसकी बैटरी को लेकर कंपनी ने आठ घंटे के बैकअप का दावा किया है। यह रोबोट 2.9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है। यह 92 सेंटीमीटर लंबा है और इसमें 60 से अधिक सेंसर्स, एक 3डी और एक एचडी कैमरा, और 10.1 इंच की डिस्प्ले है। इसमें आंखें भी लगी हैं।एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने कहा कि अस्पताल में मिलाग्रो फ्लोर रोबोट आईमैप 9.0 और मिलाग्रो ह्यूमनॉइड को आजमाया जाएगा।

मिलाग्रो के संस्थापक राजीव करवाल ने कहा कि कोरोना महामारी से लड़ने के प्रयास में एम्स की मदद करने को लेकर मिलाग्रो रोबोट्स बहुत खुश है। वास्तविक परिस्थितियों में मिलने वाली प्रतिक्रिया के आधार पर अधिक उत्पाद विकसित करने के लिए हम मिलकर काम करेंगे।

खिलाड़ियों और कोचों की चल रही है ऑनलाइन क्लास

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस कोविड-19 के कारण देश में सभी खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं और ऐसे समय में खिलाड़ियों तथा कोचों को ऑनलाइन क्लास के जरिये सक्रिय रखा जा रहा है। देश में विभिन्न खेल संघों, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और खेल मंत्रालय ने आपसी तालमेल के साथ ऑनलाइन क्लास का सिलसिला शुरू किया है और इन क्लास से खिलाड़ियों और कोचों को जोड़ा गया है। यह सिलसिला लगातार बना हुआ है जिसे लॉकडाउन के बीच खिलाड़ियों, कोचों और खेलों से जुड़े लोगों की सक्रियता बनी हुई है। साई ने राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ मिलकर 16 खेलों के कोचों के लिए 21 दिनों का ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित किया है। केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट कर इस वर्कशॉप के आयोजन की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि जिस वक्त सारा देश कोरोना के खिलाफजुट होकर लड़ाई लड़ रहा है ऐसे में साई राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ मिलकर 16 खेलों के कोचों के लिए 21 दिनों के ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित कर रहा है। कोचों को सशक्त बनाने के लिए यह अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा ऑनलाइन वर्कशॉप है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने मुक्केबाजों की मानसिक फिटनेस के लिए विशेषज्ञों के साथ फिटनेस सत्र आयोजित किया है। इस सत्र में पूरे भारत से 374 मुक्केबाज और कोच शामिल हुए।

लीजेंड मोहम्मद अली को लेकर फिल्म बनाना चाहते थे प्रकाश मेहरा

मुंबई(वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने खुलासा किया है कि निर्देशक प्रकाश मेहरा बॉक्सिंग लीजेंड मोहम्मद अली के साथ फिल्म बनाना चाहते थे लेकिन उनकी यह ख्वाहिश पूरी नहीं हो सकी। अमिताभ ने प्रकाश मेहरा की जंजीर, हेराफेरी, लावारिस, मुकद्दर का सिकंदर, नमक हलाल और शराबी जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। जंजीर ने ही अमिताभ के डूबते करियर को नया जीवन दिया था। महानायक ने बॉक्सर मोहम्मद अली और मशहूर फिल्म निर्देशक प्रकाश मेहरा को लेकर अपना एक किस्सा साझा किया है।अमिताभ ने अपने ब्लॉग में मोहम्मद अली के साथ ली गई फोटो शेयर करते हुए लिखा कि फिल्म निर्देशक प्रकाश मेहरा लीजेंड बॉक्सर मोहम्मद अली को अपनी फिल्म में लेना चाहते थे। फिल्म को लेकर वह और प्रकाश मेहरा मोहम्मद अली से मिलने अमेरिका भी गए थे। बेवरली हिल्स में मोहम्मद अली के आवास पर उन लोगों की मुलाकात हुई और खूब बातें हुई। अमिताभ ने लिखा कि वह शानदार रात थी। मोहम्मद अली को रिंग में जीतते कई बार देखा था। प्रकाश मेहरा फिल्म को लेकर काफी संजीदा थे।

मुलायम सिंह की बायोपिक का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। बॉलीवुड में राजनेताओं पर

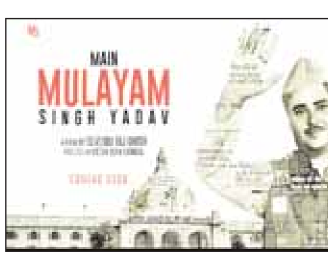

आधारित बायोपिक फिल्मों का चलन जोरों पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिव सेना सुप्रीमो बाला साहब ठाकरे और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बाद अब उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की बायोपिक बनायी जा रही है। फिल्म का शीर्षक है 'मैं मुलायम सिंह यादव'। फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज़ कर दिया गया है। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज़ होने वाली है।

शोले का रीमेक बनाने के पक्ष में नही हैं रमेश सिप्पी

मुंबई, । बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक रमेश सिप्पी भारतीय सिनेमा की महान शाहकार 'शोले' का रीमेक बनाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। बॉलीवुड में सुपरहिट फिल्मों के निर्माण का चलन जोरों पर है। जी.पी.सिप्पी निर्मित और रमेश सिप्पी निर्देशित ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' को प्रदर्शित हुये 45 वर्ष हो गये हैं। शोले 15

अगस्त 1975 को प्रदर्शित हुयी थी। 'शोले' में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, संजीव कुमार, हेमा मालिनी और जया बच्चन और अमजद खान ने मुख्य भूमिका निभायी थी।फिल्म को मुख्य रूप से अमजद खान के शानदार अभिनय और संवादों के लिए याद किया जाता है। फिल्म में अमजद खान ने गब्बर सिंह का किरदार निभाया था। यह फिल्म मुंबई के एक सिनेमा हाल में लगातार पांच साल तक चलती रही थी।

थिएटर आर्टिस्ट्स के लिए आगे आये अक्षय कुमार

मुंबई, । बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने थिएटर आर्टिस्ट्स की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। कोरोना वायरस 'कोविड-19' का कहर भारत समेत दुनियाभर में जारी है। कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण लोगों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ा है। बॉलीवुड के कई सेलिब्रिटीज लोगो की मदद को आगे आ रहे हैं। अक्षय कुमार पीएमकेयर फंड में 25 करोड़ का

डोनेशन दिया था।अब वह मुंबई के थिएटर आर्टिस्ट की मदद के लिए आगे आए हैं। लॉकडाउन के दौरान ज्यादातर इंडस्ट्रीज के काम बंद हैं। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री इससे काफी प्रभावित हुई है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले अक्षय कुमार ने एक थिएटर ओनर को फोन करके उनकी मदद करने की बात की थी। ओनर ने अक्षय इस ऑफर की तारीफ की और बताया कि आर्टिस्ट्स की इस महीने की सैलरी के लिए फंड इकट्ठा हो गया है।

देश की ये 6 कंपनियां बना रहीं कोरोना वायरस की वैक्सिन

नई दिल्ली (ए.)। देश की ये 6 कंपनियां बना रहीं कोरोना वायरस की वैक्सिनकोरोना के खिलाफ लड़ाई में भारतीय फार्मा कंपनियां महत्वपूर्ण रोल निभा रही हैं। अपने देश की छह फार्मा कंपनियां कोरोना वायरस का टीका तैयार करने पर तेजी से काम कर रही हैं। ये कंपनियां करीब 70 तरह के टीकों का परीक्षण कर रही हैं और कम से कम तीन टीके मानव परीक्षण के चरण में पहुंच चुके हैं, लेकिन नोवेल कोरोना वायरस का टीका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के लिए 2021 से पहले तैयार होने की संभावना नहीं है। हालांकि नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत की टिप्पणी से इस बीमारी का टीका जल्द आने की उम्मीदों को बल मिला है।

अमिताभ कांत ने जताई उम्मीद

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि देश की छह कंपनियां कोरोना वायरस की पहली वैक्सिन बनाने की दौड़ में शामिल हैं। भारत दुनिया में वैक्सिन मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र है। भारत वैश्विक वैक्सिन हब के रूप में उभरा है। हमें इसका इस्तेमाल दुनिया को बेहद कम दाम पर वैक्सिन उपलब्ध कराने और दुनिया को कोविड मुक्त करने के लिए करना चाहिए।

कौन हैं ये कंपनियां

ये कंपनियां जाइडस कैडिला, सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बायोलॉजिकल ई लिमिटेड, भारत बायोटेक, इंडियन इम्युनोलॉजिकल और मिनवैक्स हैं। कैडिला दो वैक्सीन पर काम कर रही है।

टीका तैयार करना जटिल प्रक्रिया

विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें परीक्षण के कई चरण और अनेक चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि नए कोरोना वायरस, सार्स कोव-2 का टीका तैयार होने में 10 साल नहीं लगेंगे जैसा कि अन्य टीकों के तैयार होने में होता है, लेकिन इसके (कोरोना वायरस) टीके को सुरक्षित, प्रभावी और व्यापक रूप से उपलब्ध घोषित करने में कम से कम एक साल का वक्त लग सकता है।

मंजूरी में भी लगता है लंबा समय

केरल स्थित राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरजीसीबी) के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी ई. श्रीकुमार ने कहा, 'टीके का विकास करना एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें सालों लगते हैं और अनेक चुनौतियां होती हैं।' वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के हैदराबाद स्थित कोशिकीय और आण्विक जीव विज्ञान केंद्र के निदेशक राकेश मिश्रा ने कहा, 'आम तौर पर, टीका विकसित करने में महीनों लगते हैं, क्योंकि इसे विभिन्न चरणों से गुजरना होता है और फिर मंजूरी मिलने में भी समय लगता है।

कई चरणों में होता है परीक्षण

श्रीकुमार ने कहा कि हमें नहीं लगता कि कोविड-19 का टीका इस साल आ पाएगा।' टीके का परीक्षण पहले जानवरों, प्रयोगशालाओं और फिर मानव पर विभिन्न चरणों में होता है। उन्होंने कहा, 'मानव परीक्षण के चरण में भी कई चरण होते हैं।' उन्होंने कहा कि पहले चरण में कुछ लोगों को शामिल किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि टीका मानव के लिए सुरक्षित है या नहीं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य के लिए आईसीसी करेगी बैठक

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर मुख्य कार्यकारियों की समिति की बैठक गुरुवार को कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिये होगी। इस बैठक में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे लीग को लेकर चर्चा होगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर- नवम्बर में होने वाले टी-20 विश्व कप को लेकर आपात योजना की जरुरत पर भी चर्चा होगी। बैठक में 12 पूर्ण सदस्यों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के अलावा तीन एसोसिएट देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे और खेल पर कोरोना वायरस कोविद-19 के प्रभाव की चर्चा करेंगे। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने जून में होने वाला श्रीलंका का दौरा कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्थगित कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका को इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी थी। वनडे लीग में आयरलैंड और बंगलादेश के बीच स्थगित होने वाली यह दूसरी सीरीज है। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप की दो सीरीज श्रीलंका बनाम इंग्लैंड और बंगलादेश बनाम ऑस्ट्रेलिया भी स्थगित की जा चुकी हैं।

न्यूज गैलरी

लॉकडाउन में हुआ बेटी का जन्म तो परिवार ने बताया यादगार, संक्रमण न लगे इसलिए सैनिटाइजर से किया तुलादान

भोपाल। मध्य प्रदेश समेत देशभर में कोरोना वायरस का कहर है। संक्रमण से बचाव के मद्देनजर पूरा देश लॉकडाउन है। भारत के लिए ये पहला मौका है, जब एक साथ पूरा देश किसी महामारी के कारण लॉकडाउन किया गया है। हालांकि, कई लोग इस लॉकडाउन को यादगार बनाने में भी जुटे हुए हैं। ऐसा ही, अपने खास दिन को यादगार बनाया मध्य प्रदेश के भिंड जिले के एक परिवार ने, बेटी के आने से घर के लोगों में जश्न का माहौल था, बच्ची का तुलादान सैनिटाइजर से किया, ताकि वो संक्रमण से बची रहे। लॉकडाउन के दौरान ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें लोगों ने कुछ खास करके उसे यादगार बना दिया।बेटियों को लेकर किसी दौर में बदनाम रहा चंबल अब बेटे और बेटी को एक समान मानता है। इसी बदलाव की बयार लिखते हुए भिंड जिले के कीरतपुरा गांव की बहू ने जब बेटी को जन्म दिया, तो परिवार ने इसपर जश्न मनाया, तो अपने घरों में रहते हुए पूरा गांव खुशियां मनाता नजर आया। लॉकडाउन के दौरान दुनिया में आई बेटी के गृह प्रवेश को परिवार ने खास बनाने के लिए इसे कुछ अलग हटकर किया। घर समेत गांव के रास्तों पर फूल बिखेरे गए। बेटी को किसी की नजर न लगे और वो संक्रमण से भी बची रहे तो परिजन ने घर पहुंचते ही बेटी का तुलादान सैनिटाइजर से किया। तुलादान के बाद सभी सैनिटाइजर गांव में बांटे गए, ताकि गांव संक्रमण से सुरक्षित रहे। देवेंद्र सिंह के बेटे अरविंद भदौरिया की पत्नी निकिता भदौरिया ने 18 अप्रैल को बेटी को जन्म दिया। अस्पताल से मां-बेटी को सोमवार दोपहर छुट्टी दे दी। अपने घर में पोती आने की खुशी में दादा ने घर समेत पूरे गांव की गलियों में फूलों से सजाने और बिखेरने का इंतजाम करवाया, ताकि बच्ची का स्वागत अलग हटकर हो। बहू जब बेटी को लेकर घर के दरवाजे पर पहुंची तो मंगल गीत गाए गए। फूलों से सजी देहरी पर बेटी के पैरों का स्पर्श कराया गया। इसके बाद बच्ची का तुलादान सैनिटाइजर से किया गया, ताकि वो संक्रमण से तो बची ही रहे, साथ ही उसे किसी की नजर न लगे। तुलादान के बाद सैनिटाइजर मिलने के बाद गांव के लोगों में खुशी नजर आई, लोगों ने कहा कि फिलहाल हालात ये है कि, हम अपने घरों से बाहर नही निकल सकते लेकिन, गांव में बेटी के कदम पड़े, तो पूरे गांव में सैनिटाइजर बांटे गए। इसका मतलब ये बेटी पूरे गांव का बेहतर स्वास्थ और स्वच्छता लेकर आई है। ये पूरे गांव के लिए खुशी की बात है। ऐसे ही कई और मामले प्रदेश में पहले भी नजर आ चुके हैं। जिसमें लॉकडाउन को खास बनाने के लिए लोगों ने कुछ अलग हटकर किया। ऐसा ही एक मामला प्रदेश के श्योपुर में भी देखने को मिला, जहां लॉकडाउन के दौरान नवजात शिशु के जन्म के बाद माता-पिता ने बच्चे का नाम लॉकडाउन रख दिया। जिले के कराहल के सरजूपुरा बछेरी गांव में भी सोमवार को एक महिला ने बच्चे का जन्म दिया। बेटे के जन्म को यादगार बनाने के लिए माता-पिता ने बच्चे का नाम लॉकडाउन रख दिया। सरजूपुरा बछेरी गांव की रहने वाली 24 साल की गर्भवती मंजू माली को सोमवार की सुबह शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां शाम को उसने बेटे को जन्म दिया। बच्चे के पिता रघुनाथ माली ने अपने बेटे का नामकरण भी तुरंत ही कर दिया। बेटे का नाम लॉकडाउन रखा गया। रघुनाथ माली ने कहा कि, वो चाहते हैं कि लोग पीएम की बात माने और लॉकडाउन का पालन करें। उनका कहना है कि एक दिन कोरोना वायरस जरूर हारेगा और देश की जीत होगी।

मप्र : लॉकडाउन फेज-2 का सातवां दिन : 47 जिलों में सरकारी दफ्तर खुले, फैक्ट्रियों में भी काम शुरू

राज्य में संक्रमण से 80 लोगों की जान गई, कल तीन की मौत

मध्यप्रदेश के भोपाल में 2, जबलपुर और उज्जैन में एक-एक मरीज की मौत हुई

इंदौर के पीथमपुर, भिंड के मालनपुर और भोपाल के मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्रों की कुछ फैक्ट्रियों में आज से काम शुरू

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में लॉकडाउन फेज-2 का सातवां दिन । राज्य में संक्रमण से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को भोपाल में दो, उज्जैन और जबलपुर में एक-एक मरीज ने दम तोड़ दिया।इसके साथ राज्य में मरने वालों की संख्या 80 गई है। इंदौर में 52, भोपाल 9, उज्जैन 7, देवास 5, खरगौन 4, मंदसौर, छिंदवाड़ा और जबलपुर में एक-एक की मौत हुई। वहीं, प्रदेश में सोमवार रात तक संक्रमितों की संख्या 1485 पर पहुंच गई थी। इस बीच, आज से इंदौर के पीथमपुर, भिंड के मालनपुर और भोपाल के मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्रों की कुछ फैक्ट्रियों में कामकाज शुरू हो गया है। सरकार भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार और खरगोन को छोड़कर बाकी 47 जिलों के सरकारी कार्यालयों में मंगलवार से 33 फीसदी कर्मचारियों के साथ कामकाज शुरू होने की खबर आ रही है।

उज्जैन के नीलगंगा थाना टीआई यशवंत पाल (59) की कोरोना से इंदौर में इलाज के दौरान मौत हो गई है। 27 मार्च को ड्यूटी के दौरान संक्रमित हुए थे। इसके बाद उन्हें इंदौर लाया गया। यहां उनकी हालत बिगड़ती चली गई। लंबे इलाज के बाद अरविंदो अस्पताल में मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे उनकी मौत हो गई। भोपाल में 70 और 60 साल के दो मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ शहर में इस बीमारी से 7 लोग दम तोड़ चुके हैं। जबलपुर में 68 साल की महिला ने दम तोड़ा। उन्हें सर्दी-खांसी की शिकायत के बाद सोमवार को भर्ती किया गया था। एक घंटे बाद उनकी मौत हो गई। बाद में जांच करने पर वह कोरोना पॉजिटिव पाई गई। भोपाल से दिल्ली से भेजे गए 2638 कोराना सैम्पल की रिपोर्ट आज आ सकती है।

राज्य सरकार का कहना है कि अगर लोगों ने नियमों का पालन नहीं किया तो सरकार एक बार फिर से पूरे राज्य में सख्ती से लॉकडाउन लागू कर सकती है।

केंद्र सरकार ने इंदौर की भयावह स्थिति को देखते हुए दिल्ली से एक टीम भेजी है। ये टीम इंदौर के हॉटस्पॉट इलाकों का निरीक्षण करके अधिकारियों को संक्रमण रोकने के लिए दिशा-निर्देश देगी। इस संबंध में केंद्र को भी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

प्रदेश के कुछ उद्योगों में काम शुरू

भोपाल से सटे औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में करीब 25 उद्योग मंगलवार से उत्पादन शुरू हो गया है। राजधानी में भेल और इससे लगे गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र की सभी छोटी-बड़ी यूनिट बंद रहेंगी। इंदौर के पीथमपुर और भिंड के मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में काम शुरू हो सकता है। सबसे बड़ी परेशानी यही है कि फैक्ट्रियों में करीब 20 दिन से ज्यादा समय से शटडाउन है। ऐसे में मशीनों को अचानक शुरू करने में दिक्कत आ सकती है। मंडीदीप इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने बताया कि ज्यादातर कंपनियों में काम कर रहे श्रमिक घर लौट गए हैं। ऐसे में उद्योग कैसे शुरू हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है।

कोटा में फंसे 3 हजार छात्रों को लेने के लिए 150 बसें भेजीं

कोटा में लॉकडाउन की वजह से फंसे मध्य प्रदेश सरकार के तीन हजार छात्रों को वापस लाने के लिए 150 बसें ग्वालियर से आज सुबह आठ बजे रवाना हो गई हैं। बसों के साथ ग्वालियर नगर निगम के अपर आयुक्त दिनेश शुक्ल और मेडिकल स्टाफ को जरूरी दवाओं के साथ भेजा गया है। इनकी मंगलवार रात वापसी की उम्मीद है।

प्रदेश में कुल संक्रमित 1485ः इंदौर 897, भोपाल 254, खरगोन 41, धार 36, खंडवा 32, उज्जैन 27, होशंगाबाद 25, बड़वानी और रायसेन में 24-24, जबलपुर 21, देवास 19, मुरैना 16, विदिशा 13, रतलाम 9, मंदसौर और आगर मालवा में 8-8, ग्वालियर और शाजापुर में 6-6, श्योपुर और छिंदवाड़ा 4-4, अलीराजपुर 3, शिवपुरी और सागर में 2-2, बैतूल, टीकमगढ़, राजगढ़ में एक-एक संक्रमित मिला। एक अन्य राज्य का संक्रमित है।

कुल स्वस्थ्य हुए 138ः इंदौर 71, भोपाल 31, खरगोन 3, उज्जैन 5, जबलपुर 6, मुरैना 14, ग्वालियर 6, शिवपुरी 2 स्वस्थ होकर घर भेजे गए।

कोटा में फंसे मध्य प्रदेश के तीन हजार छात्रों को लाने के लिए ग्वालियर से 150 बसें रवाना, देर रात तक वापसी की उम्मीद

कोटा भेजने से पहले बसों को सैनिटाइज किया गया, सुरक्षा के लिए मेडिकल किट भी भेजी गई

मध्यप्रदेश लाने से पहले नीमच और आगर-मालवा में सभी बच्चों की स्क्रीनिंग होगी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोटा में लॉकडाउन की वजह से फंसे मध्य प्रदेश सरकार के तीन हजार छात्रों को वापस लाने के लिए 150 बसें ग्वालियर से आज सुबह आठ बजे रवाना हो गई हैं। बसों के साथ ग्वालियर नगर निगम के अपर आयुक्त दिनेश शुक्ल और मेडिकल स्टाफ को जरूरी दवाओं के साथ भेजा गया है। इनकी मंगलवार रात वापसी की उम्मीद है। पहले बसों को इंदौर से रवाना किया जाना था, लेकिन वहां हालात ठीक नहीं होने से फैसला बदला गया। इंदौर के करीब 25 बच्चों की सूची परिवहन विभाग आरटीओ के पास आई है, जिन्हें लेकर कोटा से बस इंदौर आएगी। उज्जैन जिले के 26 स्टूडेंट हैं। उज्जैन के एसडीएम डॉ.आरपी तिवारी ने बताया इन स्टूडेंट्स को लाने के लिए प्रशासन की संभाग स्तरीय टीम गठित की है। ये टीम सड़क मार्ग से जाएगी।

एंट्री पाइंट पर होगी स्क्रीनिंग

नीमच और आगर-मालवा के एंट्री पाइंट पर सभी स्टूडेंट की स्क्रीनिंग की जाएगी। नीमच जिले के 44 और उज्जैन संभाग के करीब 200 बच्चों के नाम आए है। सिंगोली स्थित राजस्थान बॉर्डर पर जिला प्रशासन उज्जैन संभाग के बच्चों की अगवानी करेंगे। इसके बाद स्क्रीनिंग करने के बाद संबंधित जिले के नोडल अधिकारियों के साथ उन्हें रवाना कर दिया जाएगा।

लॉक डाउन में सायबर ठग सक्रिय, 25 लोगों के खाते से रुपये उड़ाए

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। लॉकडाउन में सायबर ठग सक्रिय हैं। इसलिए घरों में रह रहे लोगों को इन ठगों से बचने के लिए ऑनलाइन लेन-देन या फिर मनी ट्रांसफर से जुड़े एप डाउनलोड करते समय सतर्कता बरतनी जरूरी है। दरअसल, लॉकडाउन में अब तक 25 लोग ठगी के शिकार हो चुके हैं। ज्यादातर मामलों में ठगों ने मोबाइल पर कॉल करके खुद को परिचिति बताया और झांसे में लेकर बैंक खाते से राशि ट्रांसफर करा ली। इसके अलावा बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करके बाद राशि निकाल ली गई। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए भोपाल पुलिस ने एडवायजरी भी जारी की है। शिकायतें प्राप्त होने के बाद पुलिस जांच में जुटी है। फेसबुक अकाउंट हैक करके ठगों द्वारा परिचित बनकर मैसेज किए जाते हैं। जिसमें अर्जेंट में रुपयों की जरूरत होने की बात कही जाती है। उनकी बातों में इसके अलावा ठग लोगों को कॉल करके उन्हें बरगलाते हुए परिचित होने का हवाला देते हैं। वे कहते हैं कि मैं आपके खाते में रुपये भेज रहा हूं। बाद में ले लूंगा। झांसे में लेने के बाद ठग मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रक्रिया कराते हैं। जिसमें रुपये आने की बजाय खाते से ट्रांसफर करा लिए जाते हैं। ठग आमजनों को कॉल करके स्क्रीन शेयरिंग से जुड़े एप डाउनलोड कराकर भी शिकार बना रहे हैं।

शिवराज के इंदौर पर मोदी की नजर, भेजी अपनी टीम

केंद्रीय टीम के लोग लगातार स्थानीय अधिकारियों के साथ इंदौर का ले रहे हैं जायजा

कोरोना से इंदौर की स्थिति खराब

केंद्र सरकार ने सोमवार को भेजी केंद्रीय टीम

केंद्रीय टीम के दौरे पर कांग्रेस ने शिवराज पर कसा तंज

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल/ इंदौर। शिवराज सिंह चौहान के इंदौर पर प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्रालय की पैनी नजर है। मध्यप्रदेश में कोरोना से इंदौर की हालत सबसे ज्यादा खराब है। केंद्रीय टीमें हर दिन राज्यों से अपडेट ले रही है। इस बीच केंद्र ने माना है कि इंदौर, जयपुर और मुंबई के कोरोना से बुरे हाल हैं। सोमवार को केंद्र सरकार की अंतर मंत्रालय टीम अचानक इंदौर पहुंची। टीम यह जायजा ले रही है कि इंदौर में कोरोना से निपटने की तैयारी क्या, चूक कहां हुई, जिसकी वजह से इंदौर में स्थिति इतनी भयावह हो गई। इंदौर में टेस्ट की रफ्तार धीमी पड़ी है तो 3 दिन से केस कम सामने आ रहे हैं। सोमवार को 18 नए केस इंदौर में आए थे, इसके साथ ही मरीजों की संख्या वहां 915 पहुंच गई है। देश में जिन शहरों की हालात कोरोना से खराब है, उसमें इंदौर भी शामिल है। दिल्ली से आई टीम कोरोना से जुड़ी स्थिति का मौके पर ही आकलन करके राज्यों के अधिकारियों को निर्देश देने के साथ ही केंद्र की सरकार को भी रिपोर्ट सौंपेगी।

केंद्रीय टीम में हैं ये लोग

केंद्र की ओर से इंदौर भेजी गई टीम में अभिलक्ष्य लिखी, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार, डॉ जुगल किशोर और संचालक स्वास्थ्य डॉ अनिल शामिल हैं। इसके साथ ही भारत सरकार के खाद्य संचालक सिमरजीत कौर भी हैं। 6 सदस्यीय टीम इंदौर पहुंचते ही सबसे पहले कॉल सेंटर, टेलीमेडिसिन सेंटर, लॉकडाउन की जमीनी हकीकत और कलेक्टर की व्यवस्था को रात तक जांचा।

कलेक्टर ने यह कहा

इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह ने कहा कि केंद्रीय टीम के अधिकारी यहां से अफसरों से चर्चा कर रहे हैं, साथ ही कार्यों की समीक्षा भी कर रहे हैं। कोरोना एक विश्वव्यापी महामारी है, इस महामारी से निपटने के लिए समन्वयित प्रयासों की जरूरत है। साथ ही लॉकडाउन का पालन सख्ती के साथ करवाने का निर्देश दिया है। इंदौर की स्थिति खराब है, उसके बावजूद भी लोग लॉकडाउन तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं।

कोराना का कहर : इंदौर-भोपाल के बाद अब खरगौन-धार-खंडवा पर चिंता

1485 पॉजीटिव मरीज हुए, 76 मौतें अब तक

भोपाल-इंदौर के आस-पास भी बढ़ रहा संक्रमण

138 मरीज हुए स्वस्थ, कुछ जिलों में संक्रमण पर काबू.

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश में लॉकडाउन के लंबे पीरियड के बावजूद कोरोना पॉजीटिव मरीजों की संख्या थमी नहीं है। अब प्रदेश में 1485 कोरोना पॉजीटिव मरीज हो गए हैं, जबकि 76 मौतें दर्ज हो चुकी हैं। इनमें 52 मौतें इंदौर में हुई हैं। राज्य के कोरोना हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक सोमवार तक प्रदेश में 138 मरीज स्वस्थ्य होकर वापस लौट चुके हैं, जबकि अभी 29 मरीजों की हालत बेहद गंभीर है। सोमवार को 78 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं। सोमवार को केंद्र से भेजी गई विशेष टीम भी इंदौर के हालात का जायजा लेने के लिए आई है। यह टीम इंदौर में संक्रमण, मौत और रोकथाम के उपायों को समीक्षा करेगी। साथ ही केंद्र को रिपोर्ट देगी।

नए जिलों पर बढ़ रही चिंता-

सबसे बड़ी चिंता नए जिलों में बढ़ रहे केसों को लेकर है। अब इंदौर और भोपाल के बाद सबसे ज्यादा केस खरगौन में 41 हो गए हैं। वहीं धार में 36, खंडवा में 32 और उज्जैन में 27 केस हैं। उज्जैन में कोरोना मरीजों के ठीक होने और लॉकडाउन की सख्ती के कारण हालात सुधरे हैं। लेकिन, दूसरे जिलों में संक्रमण बढ़ रहा है।

शिवराज का रिव्यु, बदलने लगे हालात-

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को भी कोरोना का रिव्यु किया। इसमें नए जिलों में संक्रमण बढने पर चिंता जताई। सीएम ने निर्देश दिए कि जो नए जिले हॉटस्पॉट बन रहे हैं, वहां सख्ती बढ़ाई जाए। खास तौर पर संक्रमित इलाकों में आवाजाही को पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाए। बीस अप्रैल से कुछ कामकाज शुरू किए गए हैं, लेकिन संक्रमित इलाकों पर पाबंदियां पूर्व की तरह ही सख्ती से लागू रखी जाए।

सियासत | एक महीने का लंबा इंतजार और सिर्फ 5 मंत्रियों ने ली शपथ

क्या फ्रीहैंड सरकार नहीं चला पाएंगे सीएम, यह शिवराज नहीं गुटों की कैबिनेट है?

बीजेपी के अपने विधायक भी मंत्रिमंडल के गठन में देरी से खुश नहीं थे

कैबिनेट में शिवराज चौहान अपने चहेतों को जगह नहीं दिला पाए

सिंधिया गुट से भी फेमस चेहरों को नहीं मिली जगह

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। लंबे इंतजार के बाद अंततः शिवराज सिंह चौहान की कैबिनेट का गठन मंगलवार को हो गया, आम लोगों से लेकर मंत्री बनने की उम्मीद लिए बैठे नेताओं के लिए यह अधूरी ख्वाहिशें पूरी होने जैसा ही है। कोरोना संकट से जूझ रहे मध्य प्रदेश के लोगों को एक भरे-पूरे कैबिनेट की उम्मीद थी। विधायकों की एक बड़ी तादाद भी मंत्री बनने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तीन दिन पहले तक ऐसी चर्चाएं भी थीं कि पहले चरण करीब एक दर्जन मंत्री बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय से इनके लिए गाड़ियों और दफ्तर की व्यवस्था करने का निर्देश भी जारी हो चुका था, लेकिन अब पांच लोगों को ही शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही सवाल उठने लगे हैं कि शिवराज ने इतनी छोटी कैबिनेट का गठन क्यों किया। सवाल यह भी कि यह शिवराज की पसंद है या मजबूरी। दरअसल, कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार से सत्ता छीनने के लिए बीजेपी ने जिस तरह एड़ी-चोटी का जोर लगाया था, अलग-अलग गुटों को साथ लेकर चलना उसकी मजबूरी थी। सरकार बन जाने के बाद ये सभी गुट सत्ता में अपने प्रतिनिधित्व को लेकर उतावले हो रहे थे, लेकिन सीएम शिवराज चाहकर भी सभी गुटों को संतुष्ट नहीं कर सकते। ऐसे में पार्टी आलाकमान ने बीच का रास्ता निकाला, जिसमें सभी गुटों को सांकेतिक प्रतिनिधित्व देकर उन्हें साधने की कोशिश की गई है।

गुटों के कैबिनेट की क्या मजबूरी

विपक्षी पार्टियां ही नहीं, बीजेपी के अपने विधायक भी मंत्रिमंडल के गठन में देरी से खुश नहीं थे। विपक्षी पार्टियां आरोप लगा रही थीं कि सत्ता में आने की जल्दी में बीजेपी ने कमलनाथ की सरकार तो गिरा दी, लेकिन अब कैबिनेट का गठन तक नहीं कर पा रही। स्वतंत्र राजनीतिक विश्लेषक भी कोरोना संकट के दौर में प्रदेश में स्वास्थ्य और गृह जैसे महत्वपूर्ण विभागों का मंत्री नहीं होने को लेकर आपत्ति जता रहे थे। राज्य में कोरोना का प्रकोप भी तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए शिवराज के लिए कैबिनेट गठन में और देरी करना मुनासिब नहीं था।

कैबिनेट चुनने में शिवराज की नहीं चली?

जिन पांच मंत्रियों ने शपथ ली है उसमें कमल पटेल का नाम चौंकाने वाला है। कमल पटेल पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के खेमे के माने जाते हैं। शिवराज की पिछली सरकार में भी मंत्री रहे हैं। उस दौरान उन्होंने अपनी ही सरकार पर अवैध खनन को लेकर कई तरह के आरोप लगाए थे, जिसके चलते सीएम शिवराज की फजीहत हो चुकी है। माना जा रहा था कि शिवराज उन्हें कैबिनेट में शामिल नहीं करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया है।

संपादकीय

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी

विश्व स्वास्थ्य संगठन में दुनिया के तमाम देशों को चेतावनी दी है कि लॉकडाउन हटाना इस जानलेवा महामारी का अंत नहीं है बल्कि यहां से इसके अगले चरण की शुरूआत होती है जिसके लिए सभी को तैयार रहना होगा। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने एक बयान में कहा है कि जी-20 समूह के कई देश समाजिक प्रतिबंधों में ढील देने पर विचार कर रहे है। लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि यह प्रक्रिया चरण बद्ध तरीके से पूरी की जाए। क्योंके लॉकडाउन के बाद स्थिति अनियंत्रित हो सकती है। इसके लिए नागरिकों को कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए शिक्षित और जगरूक करना होगा और कोरोना के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में जनभागिदारी को और शसक्त बनाना होगा अन्यथा कोरोना वायरस का प्रकोप दुबारा टूट सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की आवश्यकता हैद्व खासतौर पर भारत जैसे देश मे जहां की आबादी 130 करोड़ से भी अधिक है। यह अच्छी बात है कि दुनिया के अन्य देशो के मुकाबले भारत में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा अपेक्षाकृत कम है लेकिन अब कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि होने लगी है। अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर लगभग 19000 हो चुकी है। प्रतिदिन 1000 से अधिक कोरोना संक्रमित लोग समाने आ रहे है। इसी वहज से सरकार ने लॉकडाउन की अवधि 3 मई तक आगे बढ़ा दी है इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं आ रहा है। कई लोग लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे है। यदि यही स्थिति बनी रही तो लॉकडाउन को और आगे बढ़ाने की और इसका कड़ाई पूर्वक पालन कराने की नौबत आ जाएगी। इस बीच केन्द्र सरकार ने अर्थिक गतिविधियों को कुछ शर्तो के साथ शुरू करने की अनुमति दे दी है किन्तु विभिन्न राज्यों में आर्थिक गतिविधियां शुरू तो कर दी गई है लेकिन केन्द्र सरकार की शर्तो का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे राज्यों पर केन्द्र सरकार नजर रख रही है और उन्हे चेतावनी दी गई है कि वे आर्थिक गतिविधियों के लिए लागू की गई शर्तो का कड़ाई पूर्वक पालन कराए अन्यथा उन्हे दी गई छूट को खत्म कर दिया जाएगा और लॉकडाउन को आगे बढ़ाने पर केन्द्र सरकार विचार करेगी।

विचार

कोरोना: भारत की छवि ऊंची उठी

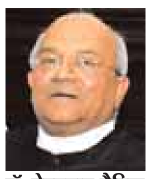

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कई लोगों ने मुझसे पूछा है कि कोरोना-संकट का भारत की विदेश नीति पर क्या असर पड़ा है, आप बताइए। असलियत तो यह है कि कोरोना का युद्ध इतना गंभीर है कि यह पूरा पिछला एक महिना हम सब लोग अंदरुनी सवालों से ही जूझते रहे। फिर भी यह तो मानना पड़ेगा कि इस कोरोना-संकट के दौरान भारत की विश्व-छवि बेहतर ही हुई है। पहली बात तो यह हुई कि इस संकट के दौरान सारा भारत एक होकर लड़ रहा है। भारत के पक्ष और विपक्ष का रवैया वैसा नहीं है, जैसा अमेरिका, ब्रिटेन, पाकिस्तान और ब्राजील जैसे देशों में देखने में आ रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सभी दलों के मुख्यमंत्री पूरी तरह साथ दे रहे हैं। दूसरा, भारत की जनता तालाबंदी का पालन जिस निष्ठा के साथ कर रही है, वह दूसरे देशों के लिए एक मिसाल बन गई है। विश्व स्वास्थ्य-संगठन ने स्पष्ट शब्दों में भारत की तारीफ की है। तीसरा, भारत ने कोरोना के जांच-यंत्र और करोड़ों मुखपट्टियां तैयार कर ली हैं। भारत से कुनैन की करोड़ों गोलियां अमेरिका समेत 55 देशों ने आग्रहपूर्वक मंगवाई हैं। एक अर्थ में भारत को पहली बार विश्व-त्राता का विहंगम रुप मिला है। चौथा, भारत सरकार ने हजारों प्रवासियों को विदेशों से भारत लौटाने में जो मुस्तैदी दिखाई है, उसकी भी सराहना हो रही है। पांचवा, दुनिया को आश्चर्य है कि 140 करोड़ लोगों के इस विकासमान राष्ट्र में कोरोना का प्रकोप इतना कम क्यों हो रहा है ? सारी दुनिया में यह चर्चा का विषय है। छठा, भारतीय भोजन में पड़नेवाले मसालें घरेलू औषधियों का काम कर रहे हैं। विदेशों में बसे प्रवासी भारतीय भी इसीलिए कोरोना के शिकार कम हो रहे हैं। आयुर्वेद का डंका सारे विश्व में बज रहा है। सातवां, भारत ने दक्षेस राष्ट्रों को कोरोना के खिलाफ सावधान करने की पहल की और दक्षेस-कोष में बड़ी राशि दान की। प्रधानमंत्री दक्षेस-राष्ट्रों के नेताओं से निरंतर संपर्क में है। पड़ौसी देशों पर इसका अच्छा प्रभाव पड़ रहा है। आठवां, जमाते-तबलीगी के कारण कोरोना को जबरन हिंदू-मुस्लिम रुप दिया जा रहा है लेकिन सरकार ने उसे ज़रा भी प्रोत्साहित नहीं किया है। तबलीग के सरगना मौलाना साद को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। लेकिन साधारण मुसलमान मजदूरों, दुकानदारों और साग-सब्जीवालों के साथ जो दूरियां बनाई जा रही हैं, उसकी आलोचना पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय इस्लामी संगठन कर रहे हैं लेकिन वे यह क्यों नहीं देख रहे हैं कि मुसलमानों को इतना गुमराह कर दिया गया है कि वे उनका इलाज करनेवाले डॉक्टरों और नर्सों को मार रहे हैं। नौवां, दुनिया का कोई भी देश कोरोना को लेकर भारत पर वैसे आरोप नहीं लगा रहा है, जैसे चीन और अमेरिका पर लग रहे हैं। दसवां, भारत सरकार ने चीन जैसे देशों के विनियोग पर कई प्रतिबंध लगा दिए हैं ताकि वे भारतीय कंपनियों पर कब्जा न कर सके। ग्यारहवां, विश्व-व्यापार में चीन को जो धक्का लगनेवाला है, उसका फायदा भारत को जरुर मिलेगा। कुल मिलाकर कोरोना के संकट के दौरान विश्व में भारत की छवि ऊंची उठी है।

लापरवाही से बढ़ रहा कोरोना का कहर

राजेश माहेश्वरी

> सरकार को भी इस बात की चिंता है कि लोग काफी दिनों से घरों में बंद हैं। उस कारण कारोबार बंद पड़ा है। कामगार आजीविका के लिए भटक रहे हैं। वित्तीय संकट गहरा रहा है। लेकिन इस समय लॉक डाउन ही सबसे सफल साबित हुआ है। सोशल डिस्टेंसिंग इसे लागू करने का सबसे कारगर उपाय है। उम्मीद की जानी चाहिए कि लॉक डाउन के दूसरे चरण में दी जा रही रियायतों का दुरूपयोग नहीं किया जाएगा। सरकार ने एक कदम आगे बढ़ाया है। यदि जनता का रवैया सहयोगात्मक रहा तो और भी छूट मिल सकती हैं। लेकिन भीड़ तंत्र हावी हुआ, अनुशासन टूटा तब ये सुविधा तत्काल वापिस ली जा सकती है तथा प्रतिबन्ध और लम्बे व कड़े हो सकते हैं।

देश में कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है। इसके पीछे की वजह है लोगों की लापरवाही है। अभी भी लोग लॉक डाउन की गंभीरता को समझ नहीं रहे हैं। थोड़ी सी छूट मिलते ही लॉक डाउन के नियम तोड़ने में कोई गुरेज नहीं करता। जो क्षेत्र कोरोना के प्रभाव से मुक्त हैं या जहां नये केस सामने नहीं आए हैं, वहां सरकार ने कुछ शर्तो के साथ ढील दी है, लेकिन देखने में आ रहा है कि लोग नियम तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। माना कि किसी को भी घर में कैद रहने की आदत नहीं है, लेकिन कम से कम अपनी जान के बारे में तो सोचना ही चाहिए। जान है तो जहान है। मीडिया के मार्फत तमाम ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि लॉक डाउन को तोड़ने की कोशिशें जारी हैं।

लॉकडाउन की वजह से लोग घर से बाहर निकल नहीं सकते और न ही बाहर के खाने का स्वाद चख सकते हैं। मगर बाहर के खाने को तो घर में मंगवा ही सकते हैं। दिल्ली के 72 परिवारों ने जीभ का स्वाद बदलने के लिए पिज्जा मंगवा लिया, जो डिलिवरीमैन इसकी डिलीवरी करने के लिए आया था वह कोरोना पॉजिटिव था, काफी दिन से उसकी तबीयत खराब थी, जब उसने जांच करवाई तो उसे पता चला कि वह कोरोना से संक्रमित है। वहीं दूसरी ओर जांच में सामने आया है कि उसने 72 परिवारों को उनके घर जाकर सामान पहुंचाया है। घर बैठे-बैठे इन लोगों की एक छोटी सी गलती आज एक बड़ी मुसीबत बन गई और साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि जब उस डिलीवरी करने वाले शख्स की तबीयत इतनी ही खराब थी तो वह आराम करने के बजाय क्यों काम पर जाता था। असल में लोग लॉक डाउन की गंभीरता और औचित्य को नहीं समझ रहे हैं।

हम पहली बार ही 40 लंबे दिनों का लॉकडाउन देख और झेल रहे हैं। यहां तक कि भारत ने जितने भी युद्ध लड़े, उनके दौरान भी लॉकडाउन घोषित नहीं किए गए। लॉकडाउन के बावजूद दिल्ली के ही तुगलकाबाद एक्सटेंशन इलाके में एक संक्रमित व्यक्ति ने 39 अन्य लोगों को संक्रमित कर दिया। लॉकडाउन के बावजूद कुछ संक्रमित लोग सामाजिक और सार्वजनिक रूप से भोजन बांटते रहे हैं। उन्होंने न जाने कितनों को संक्रमित कर दिया होगा? समझने वाली बात ये है कि केंद्र और राज्यों की सरकारों के साथ ही स्थानीय स्तर पर प्रशासन द्वारा लगाई गई बंदिशे नागरिकों की सुरक्षा के लिए ही हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लॉक डाउन के दौरान जनता को अकल्पनीय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है लेकिन देखने वाली बात ये भी है कि प्रशासन और पुलिस को इसे लागू करवाने में जो मशक्कत करनी पड़ रही है उसके बारे में सोचने पर हमें अपनी दिक्कतें कम लगने लगेंगी।

आंकड़े हर पल, हर दिन बढ़ते जा रहे हैं। इस दलील को एक हद तक ही स्वीकार किया जा सकता है कि चार लाख से ज्यादा टेस्ट किए जा चुके हैं। हर रोज औसतन 28-30 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। अमरीका, साउथ कोरिया, सिंगापुर, ताइवान, स्पेन और जर्मनी आदि देशों की तुलना में हमारे टेस्ट बेहद कम हैं। हम अब 10 लाख की आबादी पर औसतन 291 टेस्ट कर रहे हैं, जबकि अन्य देशों का औसत तो हजारों में है। कल्पना करें कि लॉकडाउन के बीच ही संक्रमितों की संख्या 17,000 को पार कर चुकी है, लेकिन जब हमारे टेस्ट एक करोड़ तक पहुंचेंगे, तो कोरोना से कितनी आबादी बीमार होगी और कितनी मौतें हो चुकी होंगी। दरअसल लॉकडाउन के मायने शहरों की कुछ संपन्न, पढ़ी-लिखी और मजबूरन अनुशासित आबादी तक ही सीमित हैं। सरकार ने स्वयं ही स्थिति का आकलन करते हुए सैकड़ों जिलों में जनजीवन को सामान्य बनाने के उद्देश्य से लॉक डाउन में छूट प्रदान की है। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखने के साथ ही उनका उत्पादन करने की अनुमति भी प्रदान की गयी है। कृषि कार्य के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे उद्योगों को भी पूरी तरह काम करने का अवसर दिया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में कोरोना का प्रभाव कम है वहां चुनिन्दा दफ्तरों को आधे स्टाफ के साथ शुरू करने कह दिया गया है। सरकारी विभागों में भी काम सामान्य करने के प्रयास शुरू हो रहे हैं। किराना और दवाई की दुकानों के अलावा अस्पतालों की सेवाएं पूर्ववत किये जाने की व्यवस्था हो रही है। कोरोना के संक्रमण से ज्यादा प्रभावित जिलों को खतरनाक मानकर वहां किसी भी तरह की ढील नहीं दी जा रही। जिन कार्यालयों या सेवाओं को काम करने की छूट दी गई है उनके अलावा अन्य सभी सेवाओं में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश हैं। राजमार्गो पर ट्रक परिवहन शुरू होने के कारण ढाबे, पंचर सुधारने वाले तथा मैकेनिकों को भी फिर से काम शुरू करने कहा गया है। केंद्र सरकार ने पिछली गलतियों से सीख लेते हुए किसी भी तरह का यात्री परिवहन प्रारंभ करने का मन नहीं बनाया और टिकिटों के अग्रिम आरक्षण के लिए भी मना कर दिया है। समाज के गरीब वर्ग को इस दौरान जो मुसीबतें उठानी पड़ीं उनकी वजह से अनेक बार लगा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा मकसद ही बर्बाद हो गया। घनी बस्तियों में उसका पालन यूं भी बेहद कठिन है। बावजूद इसके यदि हालात काबू में रहे तो ये देश का सौभाग्य ही कहा जा सकता है। ऐसे में आज से शुरू की गयी छूटों से बेपरवाह होने की जुर्रत आत्मघाती होगी। ये सभी का सामूहिक दयित्व है कि बिना जरूरत छूट के समय भी बाहर निकलने की स्वतंत्रता का इस्तेमाल न करें। कोरोना से बचाव ही उससे लड़ने का सर्वोत्तम उपाय है। दिल्ली में तो केंद्र सरकार, सभी दूतावास, सर्वोच्च न्यायालय और फंड सब कुछ उपलब्ध है, लेकिन लॉकडाउन के बावजूद संक्रमण गतिमय होकर फैल रहा है, तो खतरा मौजूद है कि देश कोरोना विस्तार के तीसरे चरण में प्रवेश कर सकता है। वह स्थिति अमरीका, इटली, स्पेन सरीखे देशों वाली होगी, जब सड़कों पर लाशें ही नजर आएंगी। बेशक लॉकडाउन के जरिए उस स्थिति पर हमने नियंत्रण पाया है, ऐसा विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी आकलन है, लेकिन लॉकडाउन की संपूर्ण सार्थकता सामने क्यों नहीं आ पा रही है? देश पर कोई भी आपदा या संकट आए तो देशवासियों का फर्ज बनता है कि वे एकजुट होकर मुकाबला करें और सरकार के इसके लिए किए जा रहे प्रयासों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। लॉकडाउन का दूसरा चरण तभी कामयाब होगा जब आम लोग इसके प्रति गंभीर होंगे, नहीं तो सरकारों को आगे और लॉकडाउन बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा, जो देश के बहुत से क्षेत्रों और विकास के कामों के लिए नुकसानदेह होगा। किसी की भी लापरवाही और गलती कोरोना को बढ़ा सकती है।

तब्लीगी जमात इस देश के मुसलमान की पहचान नहीं है

- डॉ नीलम महेंद्र

> अतः यह समझना जरूरी है कि तब्लीगी जमात ने अपनी यह पहचान देशविरोधी गतिविधियों वाले चरित्र से स्वयं बनाई है और यह पहचान इस देश के हर मुसलमान की कदापि नहीं हो सकती। इस देश के मुसलमान की पहचान तो अशफाकउल्ला खान ,अब्दुल हमीद, अब्दुल कलाम आजादबिस्मिल्लाह खान जैसे नाम हैं जिनके बिना हिदुस्तान वो नहीं होता जो वो आजहै। इसलिए आज जब भारत आगे बढ़ रहा है और 21 वीं सदी की बातें कर रहा है, विश्व में एक मुकाम हासिल करने के ख्वाब देख रहा है तो वहाँ कट्टरता और संकीर्णता की कोई जगह नहीं हो सकती। आज मुस्लिम समाज ही नहीं देश को भी आवश्यकता है ऐसे पढ़े लिखे युवा मुस्लिम नेतृत्व की जो उदारवादी होने के साथ हीआधुनिक समय की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाते हुए सही मायनों मेंधर्मनिरपेक्ष रूप से इस्लाम का सही स्वरूप देश और दुनिया के सामने लाए।

कोरोना के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारत धीरे धीरे लेकिन मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि देश मेंकोरोना मरीजों की संख्या में वृद्धि होने की गति कम हुई है। यह संख्या अब 7.5 दिनों में दुगुनी हो रही है। लेकिन इस बात को नकारा नहीं जा सकता किकोरोना से इस लड़ाई के दौरान निजामुद्दीन में तब्लीगी जमात का मारकज़ सबसेकमजोर कड़ी साबित हुआ। और शायद इसी वजह से यह संगठन जिसके नाम और गतिविधियों से अबतक देश के अधिकतर लोग अनजान थे आज उसका नाम और उसकी करतूतें देश की सुरक्षा एजेंसियों से लेकर आम आदमी की जुबां पर है। लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं निकाला जाए कि तब्लीगी जमात के अस्तित्व से दुनिया अनजान थी। विश्व के अनेक देशों की खुफिया एजेंसियों की नज़र काफी पहले से इन पर थीं। काफी पहले से ही इन पर विभिन्न देशों में होने वाली आतंकवादी गतिविधियों में परोक्ष रूप से शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। इस पर अल कायदा , हरकत उलमुजाहिदीन, तालिबान जैसे आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भर्ती करने के आरोप हैं। अमरीकी खुफिया एजेंसी स्ट्रेटफॉर ने जब 9/11 के हमले की जांच की थी तो इस जांच की आंच तब्लीगी जमात तक भी पहुंची थी। आश्चर्य की बात हैकि विभिन्न आतंकवादी संगठनों को परोक्ष रूप से मदद करने के आरोपों केबावजूद इस जमात की जड़ें विश्व के लगभग 150 देशों तक फैली हैं।लेकिन उससे भी बड़ा आश्चर्य यह है कि सऊदी अरब और ईरान जैसे मुस्लिम मुल्कों में इसे प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद भारत में इसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगना तो दूर की बात है बल्कि भारत की राजधानी दिल्ली के भीतर भारत सरकार की नाक के नीचे ही इसका अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय है। जब तक कानूनी रूप से यह सिध्द नहीं हो जाता कि तब्लीगी जमात के आतंकवादियों से किसी प्रकार के संबंध हैं या नहीं यह विवाद का विषय हो सकता है लेकिन कोरोना संकट के इस काल में तब्लीगी जमात के लोगों के विवादित आचरण पर तो किसी प्रकार की असहमति का प्रश्न ही नहीं उठता। चाहे वो सरकार के दिशा निर्देशों की धज्जियाँ उड़ाना हो, या स्वास्थ्य कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार हो, पुलिस कर्मियों पर पथराव और हिंसा का तांडव हो या फिर जगह जगह थूकना अथवा ऐसे क्रिया कलाप करना जिससे यह बीमारी फैले। वैसे तब्लीगी जमात के मौलाना साद का वीडियो सामने आने के बाद तब्लीगी जमात के लोगों के इस आचरण पर ज्यादा आश्चर्य करने का औचित्य नहीं रह जाता लेकिन इंसानियत के दुश्मन ऐसे लोगों पर सरकार द्वारा कठोर कार्यवाही करने में राजनैतिक इच्छाशक्ति की कमी दिखाना अवश्य आश्चर्यजनक लगता है।

ऐसे संगठनों पर कार्यवाही ना कर पाने की सरकारों की अपनी अपनी मजबूरियाँ हो सकती हैं लेकिन इन्हीं मजबूरियों से समाज के भीतर से विद्रोह के स्वर भी उपजते हैं। तब्लीगी जमात के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। देश के मुस्लिम समाज के भीतर से ही जमात के विरोध में आवाजें उठने लगीं। बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने तब्लीगी जमात की गतिविधियों के चलते उनपर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। वहीं शिया वक़्फबोर्ड के चेयरमैन वसीम रिज़्वी का कहना है कि, ÷यह दुनिया की सबसे खतरनाक जमात है। यह मुसलमानों का ऐसा समूह है जो पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रचार के नाम पर मुसलमान युवाओं को कट्टरपंथी बनाता है।÷ इसी प्रकार अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री मोहसिन रज़ा ने भी तब्लीगी जमात पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि जमात ने देशविरोधी मानसिकता का प्रदर्शन किया है। जबकि बरेली की दरगाह आला हजरत ने सरकार से तब्लीगी जमात पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। शिया धर्म गुरु भी तब्लीगी जमात परप्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं फ़िल्म उद्योग से जुड़ेविभिन्न मुस्लिम चेहरे जैसे अब्बास टायरवाला और सलमान खान भी जमातियों केखिलाफ खुलकर बोल रहे हैं और देश के हर मुसलमान को घर पर ही नमाज़ पढ़ने केसाथ सोशल डिस्टनसिंग की सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करने के लिएप्रोत्साहित भी कर रहे हैं। लेकिन अब रमजान के महीने और तब्लीगी जमात केइतिहास को देखते हुए पूर्व कांग्रेस नेता मौलाना आजाद के पौत्र फिरोज़ बख़्त जो कि मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्विद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर लॉक डाउन की तारीख 24 मई तक बढ़ाने की मांग करते हुए देश भर में मुसलमानों द्वारा स्वास्थ्य एवं पुलिस कर्मियों के साथ किए गए दुर्व्यवहार के लिए क्षमा भी मांगी।

इससे स्पष्ट है कि तब्लीगी जमात इस देश के मुसलमान की पहचान नहीं है। क्योंकितब्लीगीजमात का आतंकवाद कनेक्शन है या नहीं यह तो समय ही बताएगा लेकिन इतनातो साफहै कि कट्टरता को बढ़ावा देना उसका मकसद जरूर है। और जहाँ कट्टरताआती है वहाँ उदारता का आसमान छोटा हो जाता है, ज्ञान और विज्ञान के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। सोच के साथ पहचान भी संकुचित हो जाती है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

आज से पहले भी

आज से पहले भी ऐसी लिंचिंग की घटनाएं 'अफ्वाह' पर ही हुई। किसी की जान गोमांस की अफ्वाह ने ली, किसी की बच्चाचोरी की अफ्वाह ने। पर तब अफ्वाह का धर्म था और पूरा का पूरा देश कम्युनल था। आज अफ्वाह सेक्युलर है। देश तो छोड़िए, वो राज्य भी कटघरे में नहीं है। सब की असलियत पहचानते चलिए। - **कुमार संतोष**

कल रात तेरे ख्याबों

कल रात तेरे ख्याबों से मुलाकात की मैने पूछा बताना क्या तेरे आरजु में हम भी रहे थे कभी कह गए ख्याब तेरे, आरजु मे होना इश्क नही तुम हो मेरी दुआओ में,सजदो में और दिल में क्यों करें आरजु तेरी ,तुम्हे जिस्म नही जानते हम मेरेही हो जानते हैं हम, रूहो में पहचानते हैं हम क्या कहता बस अब मेरे ख्याबो में तुम तो रहोगे हमेशा।।

– **प्रीति श्रीवास्तव**

खास पाती | अकस्मात चहचहाते पंछियों के

अकस्मात चहचहाते पंछियों के शोर से आंख खुल गई.... सामने दीवार पर घड़ी पांच बजकर पन्द्रह मिनट दिखा रही थी.. निंदिया रानी ने पलकों से कुछ और देर अभी बोझल रहने का आग्रह किया.. परंतु नैनों को भा रहे थे सामने खिड़की ... और खिडकी से झांकते आम और लीची के वृक्ष.. और वृक्षों की ओट से अंबर अंबर पे बदराओं के नन्हें नन्हे समूह .. उनकी ओट में भोर के तारे के संग विदाई मांगता मद्धम सा चांद ...... पंछियो के कलरव में एक स्पष्ट स्वर .कोयल का.. मानो संगीत साज में बांसुरी की तान .... मन बीणा कुरेद कर प्रकृति की प्रीत मे डूबी स्मृतियों को जगाती

– **किरन भंडारी**

भुला दूँ तुझे तू भुलाया न जाता मगर ख्वाब झूठा सजाया न जाता

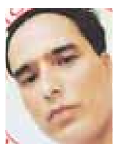

भुला दूँ तुझे तू भुलाया न जाता। मगर ख्वाब झूठा सजाया न जाता। बसा है खयालों ख्वाबों में तू ही, बतादूँ तुझे सब बताया न जाता। सताता रहा ख्वाब में रातभर तू, कभी दूर क्यों तेरा साया न जाता। मुझे ज़ख्म देती रही है मुहब्बत, कहा फिर भी तुझको पराया न जाता। कहानी का मेरी तू किरदार ऐसा, लिखा दिल से मैंने मिटाया न जाता। कई बार सींचे मुहब्बत के गुलशन, दिलो के गुलों को सुखाया न जाता। तेरी चिठ्ठियां आज भी रख रखी है। जला दूं उन्हें पर जलाया न जाता। निगम छोड़ आया हूँ पीछे बहुत कुछ, पता उस गली का बताया न जाता।

– **बलराम निगम**

स्वयं के भीतर बसी कस्तूरी से

स्वयं के भीतर बसी कस्तूरी से अनजान वो मृग,,, भटकता ही रहा और तलाशता रहा उस सुन्धित कस्तूरी को जो साथ थी हर क्षण उसके ,, किंतु वह अनभिज्ञ रहा और ,,, व्यतीत कर दिए कई आनंदमयी क्षण,,, जो छुपे थे उस कस्तूरी भरे मृग में जो भटकता ही रहा मृग की तरह, मृगतृष्णा में। – **सपना परिहार**

कोई पत्थर न मारे फरिश्तों को

कोई पत्थर न मारे फरिश्तों को सजा जरूर मिलेगी जाहिलों को । फूलों का शहर क्यों नागफनी उगाना सचेत, यूँ ही नही हमारे 56 इंच सीना । अक्ल पर पत्थर,कारनामे भी थूं थूं तभी समझूं, वो पत्थर मारते हैं क्यूं । दूध पिलाया, आस्तीन का सांप हो गया इरादे नापाक ऐसे, शहर बदनाम हो गया।

– **सुरेश वैष्णव**

करीब करीब अजनबी हो जाने के लिए

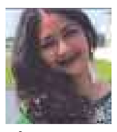

करीब करीब अजनबी हो जाने के लिए शुक्रिया। कुछ नहीं हो जाने से बेहतर है तुम्हारे नाम का ये एक दुख चुन लेना। मुश्किल ये है कि इंतज़ार शब्द में दो चार अक्षर और जोड़ कर उसे बढ़ाया नहीं जा सकता । वो खत्म होने को है। मेरी बात अलग है... मैं कल्पना हूँ। तुम्हारे लिए असीम

– **कल्पना पाण्डेय**

गुज़र जाने दो साथी! इन लम्हों को

गुज़र जाने दो साथी! इन लम्हों को इन में बेतहाशा रेत भरी है लगाव मुट्ठी से होता तो कहाँ बाँधना पड़ता ? फिसल जाने दो, बिखरने की आदत बदले तो फिर समेट लेना अंजुरी में। – **कल्पना मनोरमा**

QUIZ TIME

1) निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग शब्द छाँटिए।
(क) गणेश (ख) गण (ग) गणना (घ) गणपति

2) इनमें से कौन-सा लोकनृत्य हरियाणा राज्य से संबंधित नहीं है?
(क) धमाल (ख) खोरिया (ग) झूमर (घ) जवारा

3) उदयगिरि के गुहा मंदिर का निर्माण किसने कराया था?

4) कूलगार्डी ऑस्ट्रेलिया के किस प्रांत में स्थित है?

5) व्यक्ति का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) गणना (2) जवारा (3) वीरसेन (4) पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया (5) गोपाल बागले

आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1500 - पुर्तगाली नाविक पेड्रो अलवेयर कैब्राल ने ब्राजील की खोज की। 1521 ङ्क प्रांसीसी सम्राट प्रांसुआ प्रथम ने स्पेन पर आक्रमण की घोषणा की। 1792 - अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने यूरोप के युद्ध में अमेरिकी तटस्थता की घोषणा की। 1870 - रूस के मार्क्सवादी विचारक व्लादिमीर लेनिन का जन्म। 1915 - प्रथम विश्व युद्ध में जर्मनी की सेना ने पहली बार जहरीली गैस क्लोरीन का इस्तेमाल किया। 1921 - स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश सेवा के लिए भारतीय सिविल सेवा की नौकरी से इस्तीफा दिया। 1926 - फारस, तुर्की और अफगानिस्तान के बीच सुरक्षा संधि पर हस्ताक्षर हुए। 1931 - मिस्र और इराक ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने कुमारी जमलो मड़कम की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया

बीजापुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजापुर जिले के ग्राम आदेड़ की 12 वर्षीय कुमारी जमलो मड़कम की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए तात्कालिक सहायता के रूप में कुमारी मड़कम के परिवारजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत की थी। मुख्यमंत्री बघेल ने आज कलेक्टर के.डी.कुजाम से चर्चा उपरांत मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान कोष से 4 लाख रूपए की अतिरिक्त स्वीकृति दी है। इस प्रकार कुमारी मड़कम के परिवारजनों को कुल 5 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशी मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर बीजापुर को इस मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं।लॉकडाउन से प्रभावित श्रमिकों को राज्य सरकार के द्वारा हर संभव मदद दी जा रही है। मनरेगा और तेंदूपत्ता संग्रहण और गौठान के कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा।

ग्राम पंचायत जुड़गा के महिला कमांडो व ग्रामीणों ने सीओ को सौंपा हरी सब्जी व चावल

सक्ती। ग्राम पंचायत जुड़गा के महिला कमांडो ग्रामीणों द्वारा शक्ति जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर डेढ़ क्विंटल हरी सब्जी जिस में विभिन्न प्रकार की सब्जियां 1 क्विंटल चावल मुख्य कार्यपालन अधिकारी साहू एवं नायब तहसीलदार शिवकुमार डनसेना के सौंपा प्रदेश में चल रहे लाक डाउन को लेकर कई झुग्गी झोपड़ी सहित रोजी मजदूरी करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है कई ऐसे परिवार है जो कई जगह लॉक डाउन के चलते मजदूरों को काम नहीं मिल पा रहा है और उन्हें शासन से चावल शक्कर मिट्टी तेल दिया जा रहा है परंतु ऐसे परिवारों को सब्जी भाजी तेल नमक मिर्च की कमी बनी रहती इस सब को देखते हुए ग्राम पंचायत के महिला कमांडो द्वारा डेढ़ क्विंटल हरी सब्जी जिसमें विभिन्न प्रकार की सब्जियां एवं एक क्विंटल चावल उन्हें ऐसे व्यक्तियों के सहयोग के लिए अधिकारियों को दिया गया।

समाज सेवक ने प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए 11 हजार रूपये का चेक भेंट किया

मुंगेली। नोवेल कोरोना (कोविड-19) के वैश्विक

संक्रमण को देखते हुए जिले के नागरिकों द्वारा मुक्त हस्त से प्रधानमंत्री सहायता कोष एवं मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए दान दिया जा रहा है। इसी कड़ी मे समाज सेवक डॉ.रामजी शर्मा के द्वारा ग्यारह हजार रूपये का सहयोग राशि का चेक जिला पंचायत सदस्य मानिक सोनवानी को भेंट किया गया और देश हित में मद का एक छोटा सा प्रयास किया गया। डॉ. शर्मा के द्वारा अपने ग्राम खैरा में गरीब परिवारो को राशन सामाग्री (दाल,चावल, शक्कर) भी वितरण किया गया। इस दौरान फास्टरपुर थाना प्रभारी अंजोर लाल चतुर्वेदी, महंत राधेश्याम दास, सरपंच जय देवांगन, जनपद सदस्य लोचन टोण्डर, उपसरपंच निरंजन टोण्डर, पंच नरेन्द्र जायसवाल , रामकुमार शर्मा, रामलोचन शर्मा, विनय दुबे उपस्थित थे।

सभी सफाई कर्मियों का किया गया सम्मान

मुंगेली। नगर पालिका परिषद् के सफाई कर्मियों का सम्मान न.पा.अध्यक्ष संतुलाल सोनकर के नेतृत्व में किया गया है। नगर पालिका परिषद के सभी सफाईकर्मियों को प्रधानमंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया गया। प्रधानमंत्री के आव्हान पर माला पहनाकर सम्मान किया गया एवं कोरोना आभार पत्र दिया गया। साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान जिला भाजपा महामंत्री मोहन भोजवानी, नगर भाजपा अध्यक्ष राणाप्रताप सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष मोहन मल्लाह, पूर्व एल्डरमेन दीनानाथ केशरवानी, डोमन दीक्षित, लव सिंह ठाकुर एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मौसम के मिजाज में बदलाव आया, बारिश होने के संकेत

मुंगेली। मौसम के मिजाज में बदलाव आया है और धूप-छांव का खेल चलता रहा है, यद्यपि तापमान में बढ़ोतरी हो रही है फलस्वरूप गर्मी बढ़ने लगी है लेकिन पिछले कुछ दिनों से तापमान में कमी आयी है और बादलों का आना जाना आरंभ हो गया है। कुल मिलाकर बारिश होने की पृष्ठभूमि बनने लगी है।

पुलिस ने भूखे लोगों को कराया भोजन, बांट रहे नि:शुल्क मास्क

परिजन घर में बना रहे मास्क पुलिसकर्मी, वालिटियर व बिना मास्क लगाए घर से निकलने वाले लोगो को संक्रमण के बचाव से नि:शुल्क मास्क दी जा रही है

नवप्रदेश संवाददाता

मुंगेली। मुंगेली जिले की कोतवाली थाने की टीआई कविता ध्रुव अपने स्टाफ के साथ जहां लॉकडाउन का पालन कराने ड्यूटी पर तैनात है तो वहीं स्वयं सेवी संस्थानों वालेंटियर के साथ मिलकर अपने हाथों से खाना बनाकर रोजाना करीब 150 ऐसे लोग जो ट्रक ड्राइवर, ढाबे में खाने वाले, अस्पताल और अन्य स्लम वाले इलाके में रहने वाले लोगों को भोजन मुहैया करा रही है।

पुलिस की इस अनोखी मुहिम की चर्चा जहां क्षेत्र में जोरो पर है तो वहीं इस पहल की विभागीय अधिकारी भी सराहना करते नहीं थक रहे. मुंगेली पुलिस की यह मुहिम यही समाप्त नहीं होती, बल्कि लॉकडाउन पालन कराने में छत्तीसगढ़ पुलिस की सख्त रवैये से जो लोग खाकी पर सवाल उठा रहे थे उन लोगों के लिए मुंगेली पुलिस ने एक और शानदार मिसाल पेश की है. जरूरतमंदों को पुलिस के द्वारा भोजन बनाकर खाना खिलाने के अलावा मुंगेली पुलिस के परिवार वाले जरूरत मन्दों के लिए घरों में मास्क बना रहे है. कोरोना के योद्धाओं पुलिस कर्मी,वालेंटियर व ऐसे लोग जो बिना मास्क के घरों से निकल जाते हैं. ऐसे अधिकतर लोगों के लिए नि:शुल्क मास्क की पर्याप्त व्यवस्था पुलिस के परिजनों द्वारा की जा रही है।

एक ओर जहां लॉकडाउन का पालन करवाने के लिए पुलिस सख्त रवैया अपना रही है, ताकि लोग बेवजह घरों से बाहर न निकले, कुछ जगहों पर पुलिस के बुरे बर्ताव को लेकर उसकी आलोचना हो रही है. वहीं कुछ जगहों पर उसके मानवीय पहल को सराहा जा रहा है. ऐसे समय में मुंगेली पुलिस का एक मानवीय चेहरा भी सामने आया है।

पुलिस परिवार की यह कदम गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। मुंगेली पुलिस विभाग के द्वारा जरूरत मन्दों के लिए की जा रही यह अनोखी पहल अनुकरणीय है, सिटी कोतवाली पुलिस की जरुरतमन्दों को भोजन खिलाना और पुलिस के परिजनों द्वारा मास्क बनाने को लेकर विभागीय अधिकारी डीएसपी तेजराम पटेल ने इसकी सराहना की है।

आंशिक छूट के बाद बदले-बदले नजर आए बाजार

पटरी पर लौटने लगी है शहर की लाइफ लाइन

बिलासपुर । 25 मार्च से जारी लॉक डाउन के दौरान आज से कुछ राहत दी गई ,इसलिए सभी जगह नजारे कुछ बदले बदले से नजर आए। जिन क्षेत्रों में कोरोना का संक्रमण अधिक नहीं है, उन क्षेत्रों में अति आवश्यक सेवा को छूट दी गई है। साथ ही दुकानों के खुलने की समय सीमा भी बढ़ायी गयी है । पहले राशन , सब्जी और अन्य जरूरी वस्तुओं की दुकानें सुबह 7:00 से 12:00 बजे तक खुल रही थी, जो मंगलवार से सुबह 9:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक खुलने लगी। वहीं मिल्क पार्लर और डेयरी सुबह 7:00 से शाम 7:00 बजे तक खुलेंगे। इसके साथ ही कुछ अति आवश्यक सेवाओं जैसे प्लंबर बढ़ाई इलेक्ट्रीशियन को भी कुछ शर्तों के साथ काम करने की छूट मिली है । यह छूट देशभर के ग्रीन जोन मैं प्रभावी है, लेकिन बिलासपुर में अब तक एक कोरोना पॉजिटिव मरीज के कारण बिलासपुर को ऑरेंज जोन में रखा गया है और यहां स्थानीय प्रशासन की सहमति से ही चुनिंदा क्षेत्रों में राहत दी गई है, लेकिन इसका असर भी नजर आने लगा है । आज पूरे बिलासपुर में जनजीवन काफी हद तक सामान्य सा नजर आया । बाजार और सड़कों में भारी भीड़ नजर आई । सब्जी मंडी में तो लोग उमड़ पड़े । सब्जी बाजारों में लोगों की भारी भीड़ बढ़ने से यहां सोशल डिस्टेंसिंग नियम की धज्जियां उड़ने लगी। लेकिन छूट के बाद पुलिसकर्मी भी काफी हद तक रिलैक्स नजर आए । अन्य दिनों की तरह उनका डंडा आग उगलने की जगह खामोश ही दिखा। लोग अपनी जरूरत का सामान खरीदने बाजारों में पहुंचे और मजबूरी में भीड़भाड़ के बीच ही उन्हें खरीदारी करनी पड़ी । हालांकि लोग भी मानते हैं कि के सारे नियम कायदे उनकी ही भलाई के लिए है और इसका पालन कर वे खुद कोरोना से अपना बचाव कर सकते हैं।

गौरेल्ला का गोरखपुर ग्राम पंचायत पूरी तरह से सील

डिंडोरी में कोरोना पॉजिटिव मिलने से कलेक्टर शिखा राजपूत ने कराया सील

बिलासपुर । गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिखा राजपूत तिवारी ने तहसील पेंड्रारोड के ग्राम पंचायत गोरखपुर के एक व्यक्ति के जिला डिंडोरी मध्यप्रदेश में कोरोना पॉजिटिव मिलने के कारण ग्राम पंचायत गोरखपुर को आदेश जारी कर पूर्णतया सील कर दिया है। बता दें जिस किशोर को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उसका छत्तीसगढ़ कनेक्शन भी है।

आदेश में उल्लेखित है कि कोरोना संक्रमण के रोकथाम हेतु ग्राम पंचायत गोरखपुर (सभी आश्रित ग्राम सहित), तहसील पेंड्रारोड की सभी सीमाओं को पूर्णतया सील किया जाता है।

शासकीय दायित्व के निर्वहन में लगे वाहनों को छोड़कर शेष अन्य वाहनों के ग्राम पंचायत गोरखपुर तहसील पेंड्रारोड की सीमाओं में प्रवेश एवं निकास पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाता है।

ग्राम पंचायत गोरखपुर की सीमाओं में आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति होम डिलीवरी के माध्यम से की जाएगी।

यह आदेश 20 अप्रैल की मध्यरात्रि से 23 अप्रैल की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा

छत्तीसगढ़ के नए जिले पेंड्रा-गौरेला- मरवाही में सब्जी की गाड़ियों के लिए काम करने वाला एक नाबालिग सोमवार को कोरोना पॉजिटिव मिला है।

मिली जानकारी के मुताबिक नाबालिग डिंडोरी का रहने वाला है और सब्जी की गाड़ियों में काम करते गौरेला पहुंचा था, जांच के बाद नाबालिग मध्यप्रदेश के डिंडोरी में पॉजिटिव पाया गया है।

जैसे ही डिंडोरी से नाबालिग के संक्रमित होने की रिपोर्ट पेंड्रा-गौरेला- मरवाही कलेक्टर को मिली। तत्काल कलेक्टर ने गोरखपुर ग्राम पंचायत को पूरी तरह सील कर दिया है।

जिला भाजपा पार्टी के 9 मंडल द्वारा 6 लाख रू. का दान पी.एम.केयर फंड में दिया गया

मुंगेली। कोविड -19 से लड़ने पीएम केयर्स फण्ड में देशभर से राशि दान की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आह्वान पर जिला भाजपा मुंगेली द्वारा सभी 9 मंडलों के सहयोग से लगभग राशि 6 लाख रुपए पीएम केयर्स फण्ड में विभिन्न बैंकिंग माध्यमों से डोनेट किया गया है। जिनमें मुंगेली नगर मण्डल,मुंगेली ग्रामीण मण्डल, सेतगंगा मण्डल, जरहागाँव मण्डल, लोरमी उत्तर मण्डल, गोड़ खामही मण्डल, देवरहट मण्डल,पथरिया मण्डल, सरगांव मण्डल के कार्यकर्ताओं ने साथी कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों से सहयोग लेकर कोरोना संक्रमण से निपटने हेतु अंश दान किया गया है। पीएम केयर्स में डोनेट कराने का कार्य लगातार जारी है। क्षेत्रीय विधायक पुन्नूलाल मोहले व सांसद अरुण साव तथा जिला भाजपा अध्यक्ष शैलेश पाठक, नगर भाजपा अध्यक्ष राणाप्रताप सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष संतुलाल सोनकर, उपाध्यक्ष मोहन मल्लाह द्वारा राशन सामग्री ,मास्क व सेनेटाइजर का वितरण किया जा रहा है।

कोरोना: अब तक शहर के 83 हजार लोगों की स्क्रीनिंग

आज 1731 घरों में पहुंची सर्वे टीम

बिलासपुर । शहर में घर-घर स्वास्थ्य सर्वेक्षण का एक विशेष अभियान चलाया गया है जिसमें आज तक 16 हजार 894 घरों में सर्वे कर 83 हजार से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

ज्ञात हो कि कोविड 19 वायरस को मात देने स्वास्थ्य विभाग पहले से ही कमर कसकर तैयार है वही लागातार टीम क्षेत्र का निरीक्षण कर जानकारी जुटा रही है आज स्वास्थ्य विभाग की 21 टीमों द्वारा मिनी बस्ती, परिजात कॉलोनी, पत्रकार कॉलोनी, विनोबा नगर, चंदेला नगर, कालिंदी कुंज, पल्लव भवन, वसुंधरा कॉलोनी, ओम गार्डन, परिजात कैसल तथा आसपास के क्षेत्रों का घर-घर भ्रमण कर सर्वे किया। आज कुल 1731 घरों के माध्यम 14 हजार 872 व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक 1477 लोगों ट्रेस कर होम आइसोलेशन पर रखा गया है तथा नियमित सर्विलेंस करते हुए प्रतिदिन फेन पर जानकारी ली जा रही है, सभी पूर्णत: स्वस्थ है। अभी तक जांच के लिए 461 सैम्पल भेजे गये हैं, जिसमें से प्राप्त सभी 393 रिपोर्ट निगेटिव पाये गये हैं।

प्रतिबंधित सामानों की बिक्री पर पुलिस हुई सख्त, नकुलनार से मैलेवाड़ा तक किराना दुकानों में दबिश

दंतेवाड़ा। लॉक -डाउन के पहले हफ्ते के बाद दंतेवाड़ा प्रशासन ने दुकानदारों,परिवहन को लेकर गाइड लाइन लागू की है। ताकि नियमों में बंधकर कामकाज किया जाये और कोरोना संक्रमण के सुरक्षा उपाय भी लोग अपना सकें। इसी गाइड लाइन में नशीले समान गुटखा,तंबाकू, गुड़ाखु की बिक्री पर पूर्णत: बैन लगाया गया है। इसी की पड़ताल करने कुआकोंडा तहसीलदार विद्याभूषण साव कुआकोंडा पुलिस के साथ नकुलनार से लेकर मैलेवाड़ा तक चलने वाली दुकानों में चैकिंग की जिन दुकानदारों में राजश्री गुटखा,तंबाखू बिकता दिखा उन्हें पुलिस ने जप्त कर लिया साथ ही दुकानदारों पर आर्थिक पेनाल्टी भी लगाई गई। कुआकोंडा टीआई सलीम खाखा और तहसीलदार ने दुकानदारों को समझाइश भी दी कि वर्तमान समय मे सभी प्रकार के गुटखे पर बैन है, अगर नियमो का उल्लंघन करते पाये जाने पर भादवि की धारा 188के तहत दण्डनीय अपराध माना जा रहा है। साथ ही दुकानों में शोसल डिस्टेंस का पालन भी अनिवार्य है।

बीना मास्क लगाए लोगों से वसूले जुर्माना लेकिन सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं हो रहा

कांकेर/भानुप्रतापपुर। बिना मास्क लगाए घूम रहे लोगो के खिलाफ आज शनिवार को मुख्य चौराहे पर स्थानीय प्रशासन के द्वारा शक्ति दिखाते हुए चालानी कार्यवाही की गई। दोपहर 1 बजे तक लगभग 30 लोगो से 100-100 रुपये जुर्माना राशि वसूले गए व मास्क लगाने समझाईश दी गई। वही कल नगर के तीन किराना दुकानों से प्रतिबंधित सामान बेचे जाने पर 500-500 रुपये वसूले गए है। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।विदित हो कि कोरोना वायरस के बढ़ते महामारी को देखते हुए व इस संक्रमण बीमारी कि रोकथाम को लेकर प्रदेश सरकार के द्वारा विगत 23 मार्च से ही प्रदेश में लॉक डाउन व धारा 144 लागू कर दी गई है। लॉक डाउन का शासन-प्रशासन द्वारा कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

डिस्टेंस पालन के प्रति अधिकारी गंभीर नही

भानुप्रतापपुर। कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए प्रशासन द्वारा लोगों को अलग-अलग लगभग 1 मीटर की डिस्टेंस बनाये रखने की बात कही गई लेकिन आज चलानी कार्यवाही के दौरान आज मुख्य चौक पर एक ही जगह पर अधिकारी व कर्मचारी पास-पास बैठे दिखाई दिए।

कोड़ेजूँगा के 50 से अधिक परिवार को उपसरपंच के नेतृत्व में मिला राशन

कांकेर। कोविड 19 कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर कोड़ेजूँगा के उपसरपंच बशीर गोरी के नेतृत्व में गाँव के दिहाड़ी मजदूर व दैनिक भोगी गरीब तबके के लोगो को गाँव में जाकर रोजमर्रा की राशन सामग्री के अलावा हरी सब्जियां दिया गया ।गाँव के ज़रूरतमंद 50 से अधिक लोगो को राशन सामग्री वितरण किया गया ।इस दौरान उपसरपंच बशीर गोरी ने बताया की कोरोना वायरस की त्रासदी के चलते गाँव में जो दिहाड़ी मजदुर गरीब तबके के लोग जिन्हें वाकई राशन की ज़रूरत थी ऐसे लोगो को चिन्हांकित किया गया था।और इस नेक कार्य में ठेलकाबोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी वासियों ठेलकाबोड के प्रतिष्ठित नागरिक व कोड़ेजूँगा के युवा ब्रिगेड के द्वारा घरो में जाकर लोगो से सहयोग राशि लिया गया। जिसके बाद सभी ने अपने अपने पैसे मिलाकर गांव के ज़रूरतमदो को राशन व हरी सब्जी वितरण किया गया।उपसरपंच बशीर गोरी व युवा ब्रिगेड ने कहा है की ज़रूरतमंद लोगो को आश्वस्त किया गया है।कि इस आपदा में कोई भी चिंता ना करे इस आपदा में हम सभी आपके साथ है।राशन वितरण में जे एल धुर्वे सुना राम नेताम देवी सिह नेताम छोटू नेताम द्वारिका पटेल विनोद पटेल सदा राम नेताम नूर खान भोला कोमरा आसिफ अली नवाज खान बड्डू नेताम का विशेष योगदान रहा ।

कोविड-19 अस्पताल का निरीक्षण किया कलेक्टर ने, शीघ्र ही प्रारंभ होगा संभागीय कोरोना सेंटर

बिलासपुर । जिला अस्पताल बिलासपुर को संभागीय डेडिकेटेड कोविड-19 अस्पताल के रूप में तैयार करने का कार्य तेजी से चल रहा है। आज कलेक्टर डॉ. संजय अलंग ने अस्पताल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। जिला अस्पताल में बनाये जा रहे 100 बिस्तरों वाले कोविड 19 अस्पताल में कोरोना के उपचार के लिये मापदंड के अनुरूप सभी सुविधायें विकसित की जा रही हैं। यहां 28 बेड का आईसीयू वार्ड बनाया जा रहा है, साथ ही प्राइवेट रूम की भी व्यवस्था भी रखी गई है। साधारण कोरोना लक्षण के मामलों के लिए अलग वार्ड बनाये गये हैं। इसके अलावा स्पेशल आइसोलेशन वार्ड, सेंट्रल कमांड रूम भी तैयार किये जा रहे हैं। मरीजों से सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सम्पर्क के लिए माइक सिस्टम बनाया जा रहा है। उन्हें भोजन देने के लिए भी किचन और काउन्टर की व्यवस्था की जा रही है। मरीजों के प्रवेश व निकास के लिए अलग-अलग मार्ग बनाये गये हैं। प्रत्येक आईसीयू बेड में ऑक्सीजन पोर्ट, मॉनिटर स्टैंड, लगाये जायेंगे। अपशिष्ट के निपटान के लिए भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। ऑपरेशन थियेटर में भी डॉफिंग जोन का निर्माण किया जा रहा है। ऑपरेशन थियेटर के लिए अलग प्रवेश द्वार बनाया गया है। कोविड-19 अस्पताल में ड्यूटी पर कार्यरत स्टाफ के लिए अलग आवासीय एवं क्वारंटाइन की व्यवस्था की जा रही है।

बिना अनुमति दुकान खोलने वालों पर प्रशासन की कार्यवाही

कांकेर। कोविड 19 और लाकडाउन में 20 अप्रैल को ग्रीन जोन में रहने वाले लोगो को लाकडाउन धारा 144 में ढील देने की छूट को लेकर यहां के व्यापारी यो में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी ।इसी बीच सोसल मिडिया में तरह तरह की अटकलो के प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की मुनादी नही किए जाने को लेकर बीच छोटे छोटे व्यापारियो ने अपनी प्रतिष्ठान खोल लिया था।अचानक 21 मंगलवार को 11 बजे मुनादी कराई गई की कॉकेर शहर के भीतर की दुकाने नही खुलेगी ।जो लाकडाउन के समय ज़रूरत की दुकानों को छोड़कर पेट्रोल दूध डेली नीड्स मेडिकल के अलावा कोई भी दुकान नही खोली जाएगी इसके बाद एसडीएम एसडीओपी पुलिस के नेतृत्व में शहर में गस्त लगाकर खुले हुए दुकानो को बिना प्रशासनिक अनुमति के नही खोलने के निर्देश दिया गया । इस बीच पुराना बस स्टैंड स्थित बिनाका कृषि केंद्र के दुकान को सील करते 188 के तहत मामला दर्ज करने के निर्देश जारी किया गया ।वही पुराना बस स्टैंड स्थित होटल जयहिन्द के आधे शटर खोले जाने को लेकर एक हजार रुपए का जुर्माना काटा गया ।नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में एसडीएम एसडीओपी सीएमओ नगरपालिका की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण करते बिना अनुमति के दुकान नही खोलने की समझाइश देकर छोड़ा गया इस कार्यवाही में राजस्व नगरपालिका व पुलिस विभाग की टीम मौजूद रही ।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री बघेल ने सिविल सेवा दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सिविल सेवा दिवस पर सिविल सेवकों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी है। श्री बघेल ने अपने ट्वीट में देश सेवा में समर्पित सिविल सेवकों और उनके परिवारजनों को सिविल सेवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे नागरिक सेवा के अधिकारी कोरोना संकट की इस मुश्किल घड़ी में जिस समर्पण और सेवाभाव से काम कर रहे हैं, वह बेहद प्रशंसनीय है। आपके सेवा एवं कर्तव्य भाव पर देश को गर्व है।

पंजीयन कार्यालय अब 28 तक रहेंगे बंद

रायपुर। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए एहतियात के तौर पर राज्य के पंजीयन कार्यालय अब 28 अप्रैल तक बंद रहेंगे। इसके पहले पंजीयन कार्यालय को 21 अप्रैल तक बंद रखने के आदेश वाणिज्यि कर (पंजीयन) विभाग द्वारा जारी किया गया था। अब आगामी 28 अप्रैल तक राज्य के सभी पंजीयन कार्यालय को बंद रखने के आदेश जारी किए गए है।

डोनेशन ऑन व्हील्स पर जोन 3 ने 2 लाख की सहयोग राशि दी

रायपुर। लॉकडाउन की विषम परिस्थितियों में जरुरतमंदों के सहयोग के लिए लगातार लोग आगे आ रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक-3 के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी हाथ बढ़ाया। अपनी सैलरी से इन अधिकारियों व कर्मचारियों ने डोनेशन ऑन व्हील्स पर 2 लाख 1 हजार 5 सौ 16 रुपए की सहयोग राशि रायपुर ज़िला कलेक्टर डॉ. एस.भारतीदासन को भेंट की। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आरिफ शेख, नगर निगम कमिश्नर सौरभ कुमार, अपर आयुक्त पुलक भट्टाचार्य भी साथ थे। नगर निगम जोन 3 के जोन कमिश्नर अरुण साहू, कार्यपालन अभियंता प्रधान, सहायक अभियंता केके शर्मा सहित अन्य कर्मचारी ने यह सहयोग राशि एकत्रकर भेंट की है। साथ ही कोरोना की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन के निर्देशन व नगर निगम कमिश्नर के नेतृत्व में लगातार राहत व बचाव कार्य में सभी सेवा कार्य में जुटे हैं।

कलेक्ट्रेट-राजस्व शाखाओं में कामकाज शुरू

रायपुर। देश में छाए कोरोना संक्रमण के खतरे के बाद छत्तीसगढ़ में हालात तेजी से बदल रहा है। कोरोना संक्रमण की भनक लगने के बाद से ही शासकीय और निजी कार्यालयों को बंद कर दिया गया था। करीब एक माह की लंबी अवधि के बाद आज कलेक्ट्रेट और राजस्व कार्यालय में फिर से चहल-पहल शुरू हो गया है।

राजधानी रायपुर सहित प्रदेश में

राज्यपाल ने पुलिस महानिदेशक सहित महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से फोन कर हालचाल जाना, कार्यों की सराहना की, कहा-

मुझे आप लोगों पर गर्व है, आपके जज्बे को सलाम

कोविड -19 से बचाव के लिए किये जा रहे कार्यों के संबंध में की चर्चा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोविड संकट के इस दौर में पुलिस कर्मियों ने लाकडाउन को सफल करने में बड़ा काम किया है। महिला पुलिसकर्मियों की ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जो बहुत ही विपरीत परिस्थिति में भी अपना काम कर रही हैं। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने ऐसी ही महिला पुलिसकर्मियों को और फील्ड में अच्छा काम कर रहे पुलिस अधिकारियों को फोन लगाया। इसके लिए शुरूआत पुलिस महानिदेशक डी.एम. अवस्थी से की जिनके नेतृत्व में पुलिस विभाग ने लाकडाउन के दौरान कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को बेहतर रखने का अच्छा काम किया है। फिर उन्होंने महिला पुलिस अधिकारियों से बात की। राज्यपाल ने कहा कि आपके सामने दोनों मोर्चों पर चुनौतियां हैं आपको घर भी देखना है और बाहर में कोविड नियंत्रण का काम भी देखना है। इसका आपने इतना संतुलित रास्ता अपनाया कि हमको आप पर गर्व होता है। आपकी कर्तव्यपरायणता के समाचार जब सुनने मिलते हैं तो मैं अभिभूत हो जाती हूँ। आप लोगों के जज्बे को सलाम करने मैंने आपको फोन लगाया है।

राज्यपाल ने पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी को बधाई देते हुए कहा कि इस समय पूरे देश में पुलिस विभाग का काम सबसे महत्वपूर्ण है। आपके नेतृत्व में पूरे प्रदेश में पुलिस विभाग द्वारा कोविड-19 के बचाव में महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। आप लोगों की सजगता की वजह से प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है। आप लोगों द्वारा लॉकडाउन का पालन कराया जा रहा है और आम जनता को कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। श्री अवस्थी ने राज्यपाल को धन्यवाद दिया। उन्होंने रायपुर में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अमृता सोरी और बलौदाबाजार में पदस्थ परिवीक्षाधीन आईपीएस अधिकारी श्रीमती अंकिता शर्मा से कहा- मैं आप लोगों के जज्बे को सलाम करती हूं। जिन परिस्थितियों में आप अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है वह काबिले-तारीफ है। आपने अन्य जिम्मेदारियों की अपेक्षा अपने कार्य को सबसे पहले रखा और अनेक कठिनाईयों और चुनौतियों का सामना करते हुए निरंतर उपस्थिति बनाई हुई हैं। मेरा आग्रह है कि आप लोग अपना ध्यान रखें और सुरक्षित रहें। यदि आप लोगों को कुछ आवश्यकता हो ता बताएं, प्रशासन के माध्यम से आप लोगों की अवश्य मदद की जाएगी। दोनो पुलिस अधिकारियों ने राज्यपाल के प्रति आभार प्रकट किया। राज्यपाल ने गरियाबंद जिले के महिला आरक्षक श्रीमती माधुरी यादव, सुश्री दर्शना यादव, सुश्री सलिका खुंटे, श्रीमती कामिनी साहू, श्रीमती धनेश्वरी साहू, श्रीमती मनीषा कोसरे से भी वीडियो कॉलिंग के माध्यम से बात की और कहा - लॉकडाउन के समय सब घर में रहते हैं और आप लोग बाहर रहते हैं। आप लोग अपनी जान की परवाह न कर इस कठिन परिस्थिति में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी ढंग से कर रही हैं। आप लोगों पर हमें गर्व है। इस समय आप लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई हैं। आप लोग हमारे लिए मूल्यवान हैं।

इस समय मेरा आग्रह है कि अपने आप को इस संक्रमण से

शहर में छूट से लोगों को मिली थोड़ी राहत

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर जिले में जारी लॉकडाउन के बीच तीन दिनों की सख्ती के बाद मिली छूट से शहरवासियों ने राहत की सांस ली है। किराना दुकान के साथ ही कुछ अन्य संस्थानों के खुल जाने, कृषि सहित इससे जुड़े अन्य कार्यों में ढील मिल जाने के बाद अब चहल-पहल बढ़ने लगी है। हालांकि अभी भी लॉकडाउन की सख्ती जारी है और केवल उचित कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकलने की अनुमति दी जा रही है।

हालांकि राज्य में कोरोना संक्रमण पूरी तरह से नियंत्रण में है। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कठोर और कड़े कदम ने राज्य में कोरोना को अब तक फैलने ही नहीं दिया है। इसके अलावा यहां युद्ध स्तर पर संक्रमण रोकने जो प्रयास किए गए हैं और वर्तमान में किए जा रहे हैं, उसकी चर्चा और प्रशंसा आज पूरे देश में हो रही है। छत्तीसगढ़ राज्य आज कोरोना मुक्त राज्य की दिशा में काफी आगे निकल गया है। राजधानी रायपुर में भी जिला प्रशासन ने कोरोना संक्रमण रोकने जो कठोर नियम लागू किए हैं और पुलिस प्रशासन ने जिस तरह से लॉकडाउन और राज्य सरकार के साथ जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन कराया है, इसके चलते ही आज राजधानी रायपुर सहित पूरा प्रदेश कोरोना संक्रमण से काफी हद तक सुरक्षित हो गया है। देशभर में जारी लॉकडाउन 03 मई को समाप्त होने वाला है। राज्य में कोरोना महामारी का चक्र प्रथम लॉकडाउन में ही समाप्त हो जाता, किंतु अचानक कोरबा जिले के कटघोरा के हॉटस्पॉट बन जाने के कारण यह होते-होते रह गया। इसके बाद शासन-प्रशासन ने सख्ती और बढ़ाई और वर्तमान में राज्य के अंदर कोरोना संक्रमण पूरी तरह से नियंत्रण में है। राहत की बात यह भी है कि द्वितीय लॉकडाउन की घोषणा के पहले और बाद में राजधानी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और राजनांदगांव में गिनती के प्रकरण सामने आने के बाद से ही कोई नया केस सामने नहीं आया है। इधर जिला प्रशासन द्वारा जारी सख्ती की अवधि भी समाप्त हो गई है। केन्द्र की ओर से मिले छूट के बाद से ही राजधानी में कई संस्थाने फिर से खुल गया है, इससे अब शहर में छाया सन्नाटा अब टूटने लगा है। हालांकि लॉकडाउन समाप्त होने में अभी 12 दिन का समय शेष है, लेकिन पूरी उम्मीद है कि यह सन्नाटा भी जल्द ही टूट जाएगा और राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में जनजीवन फिर से सामान्य हो जाएगा।

एटीएम के बाहर लगी लंबी भीड़

फायर ब्रिगेड की टीम ने किया जगह-जगह सैनेटाइज्ड

उद्योगपति प्रवीण सोमानी अपहरण मामले में चिकित्सक गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। उद्योगपति प्रवीण सोमानी किडनेपिंग मामले में रायपुर पुलिस ने गिरोह के डॉक्टर अपराधी को उत्तरप्रदेश के अंसारगंज इल्तफ़ाजगंज इब्राइमपुर जिला अंबेडकर नगर से गिरफ्तार किया। आरोपी बीएएमएस डॉ. आफ्ताब अहमद को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। लॉकडाउन के कारण घर में ही आरोपी था। रायपुर पुलिस ने अंबेडकर नगर पुलिस की मदद से छापामार कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने डॉ. आफ्ताब के घर पहुंची। पुलिसिया पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि प्रवीण सोमानी का अपहरण कर अंबेडकर नगर स्थित उसके अस्पताल की बेसमेंट कार पार्किंग में रखा गया था। जहां उसके द्वारा उद्योगपति प्रवीण को बेहोशी का इंजेक्शन और मेडिकल चेकअप किया जाता था। डॉक्टर की गिरफ्तारी से पुलिस को पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। घटना के बाद से फरार डॉक्टर कहां छिपा था और वह किस-किस के संपर्क में था। इसकी भी जांच में पुलिस जुटी है। डॉक्टर से गिरोह के फरार अन्य तीन सदस्यों के बारे में अहम जानकारी सामने आ सकती हैं।

किडनेपिंग में रायपुर पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ अपराध कायम किया था। अब तक रायपुर पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीन आरोपित पुलिस की पहुंच से अभी भी दूर हैं।

सीएम ने कुमारी जमलो मड़कम की मृत्यु पर जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजापुर जिले के ग्राम आदेड़ की 12 वर्षीय कुमारी जमलो मड़कम की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए तात्कालिक सहायता के रूप में कुमारी मड़कम के परिवारजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से एक लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत की थी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज कलेक्टर से चर्चा उपरांत मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान कोष से 4 लाख रूपए की अतिरिक्त स्वीकृति दी। इस प्रकार कुमारी मड़कम के परिवारजनों को कुल 5 लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर बीजापुर को इस मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। लॉकडाउन से प्रभावित श्रमिकों को राज्य सरकार के द्वारा हर संभव मदद दी जा रही है। मनरेगा और तेंदूपत्ता संग्रहण और गौठान के कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में तथा देश के

अचानकमार टाईगर रिजर्व का घायल तेन्दुआ हुआ स्वस्थ

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। अचानकमार टाईगर रिजर्व के अंतर्गत सुरही तथा लोरमी बफर परिक्षेत्र में विगत दिवस एक घायल तेन्दुआ का रेस्क्यू कर कानन पेंडारी चिड़ियाघर (जू) में सफल इलाज किया गया। वह तेन्दुआ वर्तमान में स्वस्थ है और उसे अचानकमार टाईगर रिजर्व के जंगल में पुनः छोड़ा जाएगा। अपर प्रधान मुख्य वनसंरक्षक श्री अरूण पाण्डेय ने बताया कि अचानकमार टाईगर रिजर्व में निगरानी के लिए कैमरा टेऊपिंग किया जा रहा है। इनमें लागए गए टेऊप कैमरा में विगत दिवस सुरही तथा लोरमी बफर परिक्षेत्र में स्थापित कैमरा में एक घायल तेन्दुआ का फोटोग्राफ प्राप्त हुआ, जिसके कमर में गंभीर चोट दिख

रहा था। इसके आधार पर सुरही परिक्षेत्र के वन अमले द्वारा उक्त घायल तेन्दुआ को पगमार्क के आधार पर पकड़ लिया गया और विगत 12 अप्रैल 2020 से कानन पेण्ड्री के पशु चिकित्सकों द्वारा उसका सफल इलाज किया गया।

नई तारीख 28 अप्रैल | **चौंथी बार भी बढ़ सकती है शराब दुकानों के खुलने की मियाद**

घोषित तौर पर जाम छलकाने के लिए करना होगा इंतजार

0 वाईन शॉप, बार, रेस्टोरेंट फिलहाल रहेंगे बंद

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। गम गलत करने के लिए शराब के शौकिनों को फिलहाल लंबा इंतजार करना होगा। तीन बार शराब दुकानों को खोले जाने का मामला अटकता रहा है। चौंथी बार भी वाईन शॉप, बीयर बार और इसके ऑन लाइन के अलावा भी अन्य विकल्पों से मिलने का रास्ता मुश्किल लग रहा है। पूरे छत्तीसगढ़ में शराब दुकानें नहीं खुलेंगी, सेंट्रल की गाइडलाइन से एक बार फिर शराब प्रेमियों को झटका लगा है। बता दें कि प्रदेश में आज तक यानि कि 21 अप्रेल तक शराब की बिक्री पर प्रतिबंध का आदेश हुआ था। लेकिन अब इसकी नई तारीख चौंथी बार बढ़ाई जा रही है। पूरी संभावना है कि प्रदेश में शराब बिक्री और दुकानों पर 3 मई तक प्रतिबंध लग सकता है।

दरअसल कई लोग लॉकडाउन में छूट के मद्देनजर शराब दुकान को खोलने की छूट की उम्मीद पाल बैठे हैं, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय की सख्त गाइडलाइन को देखते हुए ये साफ हो चुका है कि फिलहाल ना तो शराब की दुकान खुलेगी और ना ही बार और रेस्टोरेंट चालू होंगे। राज्य सरकार की तरफ से जो गाइडलाइन प्रदेश के लिए जारी की गयी थी, उसमें भी कहीं से शराब दुकान को लेकर राहत देने जैसी कोई बात नहीं थी। इससे पहले राज्य सरकार ने शराब दुकानों को पहले 31 मार्च और फिर 14 अप्रैल तक लॉकडाउन पीरियड में बंद रखने का आदेश दिया था। बाद में 14 अप्रैल से बढ़ाकर उसे 21 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया था, अब उसे और आगे बढ़ा दिया जायेगा।

अवैध शराब-पान मसाला वाले कर रहे गोरखधंधा

लॉक़डाउन के बेजा फायदा बीते माहभर से दो तरह के धंधेबाज कर रहे हैं। इसमें सीधे तौर पर बार और निजी स्टॉक रखने वाले शराब का दो से तीन गुना कीमत पर सप्लाय कर रहे हैं। इनमें वो कोचिए भी शामिल हैं जिनका अवैध शराब का कारोबार है। व्हिस्की, बीयर और रम से लेकर प्लेन व महुआ तक की दुगनी कीमत वसूलने वाले अब राजधानी रायपुर तक में सप्लाय कर रहे हैं। डिस्कवरी, प्राइम टाईम की बोतल 7 की जगह 22 में बेची जा रही है। इसी तरह ब्लेंडर, आरएस कैटेगिरी की शराब औसतन 1100 रुपए की मिलती थी उसे 300 से 3700 तक में बेच रहे हैं। 100 पाईपर से लेकर स्कॉच लेवल की शराब का भी शौकीन मुंहमांगा दाम दे रहे हैं। क्लासिक सिगरेट का 10 पीस वाला पैकेट 165 रुपए में आता था उसे 250 से लेकर 260 में दे रहे हैं। तंबाखू उत्पादों की भी कीमत डबल कर दी गई है। जमाखोर और स्टाकिस्ट घरों से धंधा चला रहे हैं। राजश्री, विमल, पानराज गुटखा भी 5 रुपए में मिलता था जिसे 12 रुपए में दे रहे हैं। तंबाखू उत्पाद में गुड़ाखू जैसी चीज भी खपत को देखते हुए छोटी डिब्बी जो 10-15 रुपए में मिलती थी वह 30 रुपए में बेची जा रही है। जमाखोरों, कोचियों, पान मसाला स्टाकिस्टों, छोटे धंधेबाजों के लिए मुनाफे का हो गया है इसलिए कई किराना दुकानदार भी पान मसाला, सिगरेट का उत्पाद सस्ते में खरीद कर बेतहाशा कीमत में बेधड़क बेच रहे हैं। फूड, निगम और पुलिस की उदासीनता व व्यस्तता की वजह से ये धंधेबाज बेलगाम हो गए हैं।

आज फिर नई तारीख तक बंद कर सकती है सरकार

इससे पहले राज्य सरकार ने जो शराब दुकान, बार, क्लब और रेस्टोरेंट को बंद रखने की मियाद 21 अप्रैल तक बढ़ायी थी। इसी बीच सेंट्रल की गाइडलाइन ने साफ कर दिया है कि फिलहाल 3 मई तक इनमें से किसी भी चीजों पर फिलहाल कोई राहत देने की गुंजाईश नहीं है। राज्य सरकार ने इससे पहले 14 अप्रैल को आदेश जारी कर शराब दुकान को 21 अप्रैल तक बंद रखने का निर्देश दिया था। ऐसे में राज्य सरकार अलग से इस विषय पर निर्देश जारी कर सकती है कि शराब दुकान को रखने की तारीख 21 अप्रैल से आगे लॉकडाउन तक बढ़ा सकती है।

प्रमुख शहरों के अधिकतम तापमान में बदलाव नहीं

राजधानी में आधी रात तेज गर्जना के साथ पड़ी जोरदार बौछारें

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में इस समय तापमान में क्रमशः वृद्धि दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना से इंकार करते हुए कल 22 अप्रैल को राज्य में कहीं-कहीं पर हल्की वर्षा का अनुमान जताया है।

दोपहर गर्मी में भी सड़कों पर दिखी भीड़

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में एक चक्रवाती घेरा उत्तर-पूर्व मध्यप्रदेश और इसके आसपास के इलाको में ऊपरी हवा में 0.9 किमी पर स्थित है। इसकी स्थिति उत्तर-पूर्व मध्यप्रदेश से उत्तर दिशा में कनार्टक के अंदरुनी इलाकों तक बना हुआ है। इसके अलावा पूर्व-पिश्चम दिशा में एक द्रोणिका बनी हुई है। यह उत्तर-पूर्व मध्यप्रदेश से पश्चिम असम तक ऊपरी हवा में 0.9 किमी की ऊंचाई पर बनी हुई है। मौसम विभाग की माने तो इसके असर से कल बुधवार 22 अप्रैल को सरगुजा संभाग को छोड़कर शेष इलाकों में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा तथा गर्मी का असर क्रमशः बढ़ता जाएगा। इधर आज राजधानी रायपुर में आधी रात के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदल गया।

रायपुर में कल रात से ही तेज हवाएं चल रही थी। रात 12 बजे के बाद अचानक हवा की रफ्तार तेज हुई और इसके साथ ही आसमान में छाए बादल घने होते गए और रात करीब 2.30 बजे अचानक तेज गर्जना के साथ जोरदार बौछारें पड़नी शुरू हो गई। यह क्रम करीब एक घंटे तक चला। इस दौरान शहर के कई इलाकों में विद्युत सेवा भी बाधित हुई।

न्यूज गैलरी

ग्राम उल्बा के किसान टीकेश्वर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को किसानों के लिए अच्छी पहल

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ के जिला-रायपुर, विकासखण्ड- अभनपुर, ग्राम पंचायत- उल्बा के रहने वाले किसान टीकेश्वर धीवर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत रुपये 2000/- बैंक खाते के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस कोरोना वायरस महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन से उत्पन्न कठिन समय में, गांव के खेतिहर मजदूर, किसान एवं जरूरतमंदो के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लाभप्रद साबित हुई है। टीकेश्वर धीवर ने कहा कि इस सम्मान निधि के माध्यम से किसान अपनी व्यक्तिगत् आवश्यकताओं खेती से संबंधित जरूरी सामग्रियां जैसे खाद, बीज एवं अन्य आवश्यक संसाधन की खरीद सकते है। श्री साहू ने कहा कि किसानों को दी जा रही यह सहायता राशि बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने इस सहयोग राशि के लिए केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया है। साथ ही उन्होंने इसे गरीब किसान के लिए एक अच्छी पहल और सकारात्मक योजना बताया है।

ममता बघेल ने नि:शुल्क अनाज, मुफ्त गैस सिलेण्डर और जनधन राशि के लिए प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद

रायपुर (नव प्रदेश)। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत तीन माह के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर की राशि पहुंची हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंचने लगी है । इस योजना के तहत हितग्राही एक माह में एक सिलेंडर प्राप्त कर सकेगा । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला बस्तर, विकासखण्ड जगदलपुर के सरदार पटले वार्ड, जगदलपुर में रहने वाली प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की हितग्राही श्रीमती ममता बघेल ने कहा कि गरीब आदमी को नि:शुल्क एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, केन्द्र सरकार का अच्छा कदम है । श्रीमती अहिरवार ने कहा कि गरीब वर्ग जो रोज कमाता है, रोज खाता है, उसके लिए एक बहुत बड़ी मदद है । इसके अलावा श्रीमती ममता बघेल को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अनाज तथा प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत रुपये 500/- बैंक खाते के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। श्रीमती बघेल ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन चल रहा है। लॉकडाउन होने के कारण, बाहर काम करने नहीं जा पा रहे हैं और काम नहीं होने की वजह से परिवार के भरण-पोषण करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा था । लेकिन इस कठिन परिस्थिति में प्रधानमंत्री गरीब किसान अन्न योजना के माध्यम से अनाज, उज्ज्वला योजना द्वारा मुफ्त गैस सिलेंडर एवं जनधन योजना के माध्यम से नकद प्राप्त हो जाने से, अब उनके परिवार का जीवन-यापन बहुत आसान हो गया है । उन्होंने बताया कि घर के लिए आवश्यक सामग्री का प्रबंध होने जाने से वे परिवार के लिए रोज भोजन बना रही हैं। श्रीमती ममता बघेल इस अनाज और नकद सहायता प्राप्त होने से बहुत खुश हैं और इस सहायता राशि के लिए केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद दे रही हैं । उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि इस लॉकडाउन समय में अपने घरों पर रहें, सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें।

किसान सम्मान निधि को किसान सोहन ने बताया अच्छा कदम

रायपुर (नव प्रदेश)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मिलने पर ग्राम सड्डू, जिला रायपुर के प्रगतिशील किसान सोहन सिन्हा ने खुशी जाहिर की है। सोहन सिन्हा को दो हजार रूपए की यह राशि उनको डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर द्वारा बैंक खाते के माध्यम से प्राप्त हुई है। इस सम्मान के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। ग्राम सड्डू में किसानी कर रहे सोहन सिन्हा ने देशव्यापी आपदा के समय प्राप्त प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को उन्होंने गांव के छोटे-छोटे किसान एवं खेतीहर मजदूरों के लिए एक कदम बताया। उन्होंने कहा कि किसान इस राशि से खेती-किसानी के खाद-बीज, कीटनाशक और उपकरणों की खरीद कर सकते हैं। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि इस लॉकडाउन के समय में घर पर रहकर खुद सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से चर्चा की

- विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के कोटा में अध्ययनरत् छात्रों की वापसी के लिए पहल करने की अपील की
- विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत भी विडियो कॉन्फ्रेसिंग में शामिल हुए तथा राज्य सरकार के कार्यों की सराहना की

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लोकसभा अध्यक्ष एवं सभापति, अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन ओम बिरला ने आज पूर्वान्ह 11.00 बजे राज्य विधान मंडलो के पीठासीन अधिकारियों से कोरोना वायरस के संक्रमण तथा उससे बचाव एवं रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपाय तथा लॉक डाऊन के दौरान विधायिका के क्रिया कलाप से संबंधित विभिन्न विषयों पर वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से चर्चा की। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत अपने निवास कार्यालय स्पीकर हाऊस शंकर नगर से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से इस चर्चा में शामिल हुए।

कोरोना संक्रमण से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा करते हुए विधान सभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने बताया कि-दिनांक 20 अप्रैल की स्थिति तक छत्तीसगढ़ में कुल 36 सेम्पल पॉजिटिव पाये गये और 25 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं और फिलहाल केवल 11 कोरोना पॉजिटिव मरीज का एम्स, रायपुर में ईलाज चल रहा है।

विधान सभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने लॉकडाउन के दौरान विधायिका के क्रियाकलाप विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि- 16 मार्च से सदन में बजट पर सामान्य चर्चा प्रारंभ होनी थी लेकिन कोविड-19 महामारी के संभावित प्रभाव के देखते हुए विधान सभा की कार्यवाही 16 मार्च को ही 26 मार्च तक के लिये स्थगित कर दी गयी। दिनांक 26 मार्च को ही वर्ष 2020-21 का बजट बिना चर्चा के पारित कर उसी दिन सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिये स्थगित कर दी गई। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कोटा जो कि लोकसभा अध्यक्ष का लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है जहाँ आज भी छत्तीसगढ़ के हजारों छात्र अध्ययनरत् हैं, उनकी कुशल घर वापसी के प्रति चिंता व्यक्त की। चर्चा में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आश्वस्त किया कि-कोटा उनका लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है इसलिए वे उन सभी छात्रों के अभिभावक है और उन सभी छात्रों की जिम्मेदारी उनकी है। उन्होंने कहा कि-जिन राज्यों से आपसी चर्चा के बाद छात्रों की वापसी हेतु सहमति बन रही है उन्हें वैसी सुविधा उपलब्ध कराते हुए छात्रों की कुशल घर वापसी हेतु वे कृत संकल्पित हैं। इस विषय पर जो भी सहयोग होगा वे उसके लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।

डॉ. महंत ने प्रदेश के जो मजदूर अभी अन्य राज्यों में फंसे है और अभी तक वापस नहीं लौटे हैं उनकी भी घर वापसी के लिए चिंता व्यक्त की। डॉ. महंत ने लोकसभा अध्यक्ष के साथ अपनी चर्चा में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र कोरबा एवं जांजगीर चांपा जिले में अनाज बैंक प्रारंभ करने की योजना की जानकारी देते हुए इस पुनीत कार्य के लिए हर संभव मदद करने की अपील की।

81 की बजुर्ग महिला अपने जीवन भर की कमाई को प्रधानमंत्री केयर फण्ड मे किया जमा

- विधायक रंजना के साथ पहुंची बैंक

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी। जिनगी के आखिरी में महु देश भर म बगरे बीमारी बर दान पुण करहु बेटी, उक्त बातें विधायक रँजना साहू को गांव की बुढी माता ने जब अपनी पोती से मोबाईल फोन पर कही तो विधायक साहू अपनी संवेदना को रोक नही पाई और वह सीधे उस माता थनवारीन बघेल उम्र लगभग 81 वर्ष के पास पहुंच कर उनकी भावना से सक्षात्कार अपने को कराते हुवे सीधे उन्हें अपने साथ लेकर स्टेट बैंक शाखा छाती पहुंच कर प्राधानमंत्री केयर फण्ड मे उस बुढी माता द्वारा पाई -पाई जमा कर जोडी गई 1100 रुपये राशि को जमा करवा दी, उक्त माता का यह कार्य वास्तव में देश, समाज व ऐसे लोगों के लिए प्रेरणादायक है जो सब कुछ होते हुवे भी आज कोरोना महामारी के वैश्विक संकट के समय हाथ मे हाथ धरे बैठे हुवे है।

सवाल राशि का नही, भाव व भावना का है - रंजना साहू

वृद्ध माता के द्वारा दी गई राशि को विधायक रँजना साहू ने कोरोना को खत्म करने के लिए किये जा रहे यज्ञ की पूर्णोआहुति जैसे बताते हुए कहा है कि सवाल कितनी राशि का समर्पण किया जाता है यह महत्वपूर्ण स्थान नही रखता, परन्तु कितनी महान भाव व पवित्र भावना के साथ स्वच्छ व निर्मल मन से दान किया गया यह महत्वपूर्ण है और ऐसी ही मताओ के त्याग के कारण भारत कि धरती धन्य है गौरतलब है कि विधायक को उनके चुनावी समर मे भी यही माता ने चुनावी प्रचार के दरम्यान रुपये भेट कि थी।

आदेश के बावजूद नहीं मिला सही जवाब, हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की बिलासपुर हाई कोर्ट में एक नए एप से वीडियो कॉफ्रेंस के जरिए सुनवाई हुई बीते 20 अप्रैल को हुई इस सुनावाई में बिलासपुर में कोरोना वायरस को लेकर टेस्ट लैब खोले जाने के आदेश के बावजूद सही और उचित जवाब न मिलने पर हाई कोर्ट ने बेहद नाराजगी जाहिर की. इसके साथ ही आदेश दिया है कि 20 अप्रैल की शाम को ही स्टेट हेल्थ सेक्रेटरी और एम्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर आपसी बैठक करें और 21 अप्रैल को ही अपना जवाब कोर्ट में प्रस्तुत करें।

बता दें कि प्रदेश में केवल दो जगह रायपुर और जगदलपुर में ही कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच के लिए टेस्ट लैब हैं. जिसको लेकर सालसा के अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव ने मांग की थी कि कटघोरा जो कि छत्तीसगढ़ का कोरोना हॉट स्पॉट बना हुआ है, बिलासपुर आसपास के क्षेत्रों का मुख्यालय है. लोगों के सैम्पल को रायपुर या जगदलपुर भेजा जा रहा है. जानकारी के मुताबिक अत्यधिक सैम्पल होने के कारण कई सैम्पल ज्यादा समय रखे जाने के कारण खराब हो जाते हैं. लिहाजा बिलासपुर मुख्यालय हो तो आसपास के सैम्पल की जल्द जांच हो सकेगी और ईलाज भी जल्द होगा।

कोर्ट ने पहले भी दिए थे आदेश

पूर्व की सुनवाई में हाईकोर्ट ने केंद्र को बिलासपुर में टेस्ट लैब खोलने की अनुमति देने और राज्य सरकार को 3 दोनों के भीतर उचित कदम उठाने का आदेश दिया था । हाई कोर्ट के 6 दिन पूर्व दिए गए आदेश का असंतोषजनक जवाब आया, जिससे हाईकोर्ट ने फटकार लगाते हुए बेहद नाराजगी जाहिर की और मामले को कल भी सुनवाई के लिए रखा है।

फेसबुक आईडी हैक कर ब्लेक मेल कर की पैसों की मांग

नव प्रदेश संवाददाता

धमतरी। एक नगर सैनिक का फेसबुक आईडी हैक कर गोपनीय वीडियो अपलोड करने की धमकी देकर पैसा मांगने का मामला सामने आया है.वही शहर के एक अन्य व्यक्ति का भी फेसबुक आईडी हैक कर फेसबुक के दोस्तो से पैसो की मांग किया जा रहा है.दोनो मामलो की शिकायत कोतवाली थाना मे की गई है.शिकायत मिलने के बाद कोतवाली पुलिस और साइबर की टीम जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यातायात में पदस्थ नगर सैनिक मनीष मिश्रा का फेसबुक किसी अज्ञात ने हैक कर लिया है.और फेसबुक में उनका गोपनीय विडियो अपलोड करने की धमकी देकर पैसो की मांग कर रहा है.वही दूसरा मामला शहर के फोटो कॉपी दुकान संचालक योगेश सोनी का जिनका भी फेसबुक आईडी को किसी अज्ञात व्दारा हैक कर उनके फेसबुक दोस्तो के पास पैसो की मांग को लेकर मैसेज भेज रहा है.जिस पर मनीष मिश्रा और योगेश सोनी ने कोतवानी में लिखित शिकायत कर हैक करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग

जुआरियों से बरामद राशि को अपने जेब में भरने वाले दो आरक्षक निलंबित

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। सिविल लाइन में पदस्थ दो आरक्षकों के होम करते हाथ जले हैं। कार्य के दौरान अति उत्साह दिखाना अधिकारियों को रास नहीं आया और मंगलवार को आरक्षक दीपक उपाध्याय और अशोक कश्यप को डिमोट करते हुए लाइन अटैच कर दिया गया। यह दोनों आरक्षक अपनी कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले भी हालांकि दोनों लाइन अटैच थे लेकिन उसी दौरान सिविल लाइन थाने में पदस्थ थाना प्रभारी कलीम खान ने उनकी काबिलियत को देखते हुए उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया था।3 दिन पहले मुखबिर से सूचना पाकर जिस टीम ने उसलापुर में जुआरियों पर कार्यवाही करते हुए एक लाख 12 हज़ार रुपये से अधिक रकम बरामद की थी उस टीम में यह दोनों भी शामिल थे । सिविल लाइन में पदस्थ होने के बाद भी सकरी थाने के क्षेत्र में हुई कार्यवाही में उनका शामिल होना ही अधिकारियों को रास नहीं आया । यह खबर भी उड़ रही है कि 2 दिन पहले सिंधी कॉलोनी में दो अलग-अलग मामलों में जुआरियों के खिलाफ की गई कार्यवाही में जुए की रकम 57,000 दर्शाई गई थी, जबकि बरामद रकम इससे अधिक थी, लिहाजा इस मामले में जांच के आदेश के साथ दोनों संदिग्ध आरक्षकों को लाइन अटैच किया गया है । लेकिन विभाग के ही कुछ लोगों का मानना है कि सीएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी के कार्य क्षेत्र में दखल देना दोनों रक्षकों को भारी पड़ा है। जिसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी है। इस बात की शिकायत एसपी से किए जाने के बाद आरक्षक दीपक उपाध्याय और अशोक कश्यप को लाइन अटैच किया गया है। एक तरफलॉक डाउन के दौरान लगातार पुलिस की कार्यशैली के चलते आम जनता में वर्दी का सम्मान बढ़ा है , लेकिन इसी बीच लगातार पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही भी हो रही है, जिससे कहीं ना कहीं पुलिस का मनोबल भी टूट रहा है।

वही एक वर्ग की दलील है

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिव पंचरत्नों के सहारे

कैलाश विजयवर्गीय के खेमे के विधायकों को भी कैबिनेट में जगह नहीं मिली। उनके गढ़ निमाड़-मालवा से सिंधिया समर्थक तुलसी सिलावट मंत्री बने। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि रविवार दोपहर तक मंत्रिमंडल में गोपाल भार्गव और भूपेंद्र सिंह को शामिल किया जाना तय माना जा रहा था, लेकिन देर शाम तक दोनों को होल्ड कर दिया गया। इसकी दो वजह भी बताई जा रहीं हैं। पहली जातिगत और दूसरी क्षेत्रीय संतुलन। अगर शिवराज अपने मंत्रिमंडल में पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव को शामिल करते तो उनके मंत्रिमंडल में दो ब्राह्मण मंत्री होते। यदि भूपेंद्र सिंह को शामिल किया जाता तो गोविंद सिंह राजपूत को मिलाकर दो ठाकुर मंत्री होते। इसके अलावा दूसरी वजह जो बताई जा रही है, उसके अनुसार अकेले सागर संभाग से ही तीन मंत्री बनने से भी पद आस लगाए विधायकों और ज्योतिरादित्य खेमें के पूर्व मंत्रियों को अच्छा संदेश नहीं जाता। नए मंत्रिमंडल में जातीय समीकरण को साधने की कोशिश की गई है। आदिवासी वर्ग से मीना सिंह, ओबीसी वर्ग से कमल पटेल, अनुसूचित जाति वर्ग से सिलावट और सामान्य वर्ग से नरोत्तम मिश्रा और गोविंद सिंह राजपूत को प्रतिनिधित्व देने के लिए मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। दिसंबर 2018 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस 15 साल बाद सत्ता में आई थी, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थक विधायकों की कांग्रेस में बगावत के कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ को 20 मार्च को इस्तीफा देना प?ा था।

मंत्रियों को विभाग के बजाए

कहा है कि कोरोना संकट को देखते हुए हमने मंत्रिमंडल छोटा बनाया है लेकिन यह संतुलित है। समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। सरकार द्वारा कोरोना संकट से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमने हाल ही में जिला और जनपद पंचायतों के सदस्यों और अध्यक्षों का कार्यकाल ब?ाया है। आज यह फैसला लिया गया है कि नगरीय निकायों में प्रशासकीय समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां भी वर्तमान में कोरोना संबंधी कार्यों की मॉनीटरिंग करेंगी। इनमें मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष आदि होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना संकट के इस दौर में हर जरूरतमंद व्यक्ति तक राशन पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाएगा। दीनदयाल समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां जरूरी सेवाएं जनता तक पहुंचाने में मॉनीटरिंग का कार्य करेंगी।

भोपाल में 31 नए पॉजिटिव

और वापस अपने घर लौट आया है। सोमवार की शाम वह एंबुलेंस से रायसेन पहुंचा। यहां पर उसका परिवार महिला कन्या छात्रावास में क्वारेंटाइन में निवास कर रहा है, उसे वहां पर ले जाया गया। यहां पर परिवार के साथ स्वास्थ्य विभाग के अमले ने तालियां बजाकर उसका गर्म जोशी के साथ स्वागत किया।

देश के 61 जिलों में पिछले

वहीं, आईसीएमआर ने कहा कि रैपिड टेस्ट में एक राज्य सरकार से शिकायत मिली है, इसके नतीजों में सामान्य से ज्यादा अंतर आ रहा है। हम इसको देख रहे हैं। अगले 2 दिन तक राज्य रैपिड टेस्ट का इस्तेमाल ना करें। आईसीएमआर ने बताया कि भारत में अभी तक 4 लाख 49 हजार 810 टेस्ट किए जा चुके हैं, सोमवार को 35,852 नमूनों का परीक्षण किया गया। नियंत्रण क्षेत्रों में रोकथाम वाली गतिविधियों और क्षेत्रीय निगरानी में 1.24 करोड़ कोरोना योद्धा और कार्यकर्ता शामिल हुए हैं।

देश में कोरोना से करीब 19000

इसके बाद गुजरात में सबसे अधिक लोग इससे संक्रमित हुए हैं। गुजरात में अब तक 2066 लोग इससे प्रभावित हुए हैं तथा 77 लोगों की मृत्यु हुई है। राज्य में इस बीमारी से 131 लोग अब तक ठीक भी हुए हैं। राजस्थान में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 1576 हो गया। राज्य में संक्रमण से 11 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 25 हो गयी है। मध्य प्रदेश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1540 हो गई है तथा इसके कारण मरने वालों का आंकड़ा 76 हो गया है। तमिलनाडु में 42 नये संक्रमित सामने आये हैं और संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 1520 हो गई हैं तथा मृतकों की संख्या 17 हो गयी है। वहीं 457 लोग ठीक भी हुए हैं देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1294 हो गई है तथा 20 लोगों ने अब तक इसके कारण जान गंवाई हैं। तेलंगाना में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 919 हो गयी है और मृतकों की संख्या 23हो गयी है। केरल में 408 लोग संक्रमित हुए हैं और तीन लोगों की मौत हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश में 757 और कर्नाटक में 415 लोग संक्रमित हैं तथा इन राज्यों में क्रमशः 22 और 17 लोगों की जान गयीं हैं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में संक्रमितों की संख्या 368 हो गयी है और पांच लोगों की इससे मौत हुई है। बता दें कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। महाराष्ट्र में अभी तक 4666 लोग कोरोना वायरस से पीड़ित मिले हैं। राज्य में 572 लोग ठीक भी हो चुके हैं। जबकि 232 लोगों की मौत भी हो चुकी है। इसके बाद दूसरे नंबर पर दिल्ली है, जहां कि कोरोना के 2081 मामले सामने आ चुके हैं। दिल्ली में 431 लोग इस बीमारी से ठीक भी हो चुके हैं और 47 लोगों की मौत हुई है। तीसरे नंबर पर गुजरात है जहां कि 1939 मामले सामने आए हैं। 131 ठीक हो चुके हैं जबकि 71 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, पश्चिम बंगाल में केंद्र की तरफ से इंटर मिनिस्ट्रियल सेंट्रल टीम (आईएमसीटी) भेजे जाने पर मंगलवार को विवाद बढ़ गया। ममता सरकार ने आईएमसीटी की टीम को कोरोना प्रभावित इलाकों में जाने से रोक दिया। टीम के अगुआ और रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता अपूर्वा चंद्रा ने कहा कि सरकार हमसे कह तो रही है कि हम सहयोग करेंगे, लेकिन हमें आए हुए एक दिन हो गया है और हम केवल दो जगहों पर जा पाए हैं।

टीम को रोके जाने के बंगाल सरकार के कदम पर गृह मंत्रालय ने ऐतराज जताया है। गृहमंत्रालय ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार केंद्र के काम में दखलंदाजी ना करे। इस टीम को भेजे जाने पर ममता बनर्जी ने सोमवार को ही ऐतराज जाहिर किया था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा था कि इस टीम को भेजे जाने की वजह बताएं, वरना वे इसे आने की इजाजत नहीं देंगी। ईरान से एयरलिफ्ट करके जैसलमेर लाए गए 484 नागरिकों में से जम्मू कश्मीर के 180 व्यक्तियों जिनमें अधिकतर स्टूडेंट्स है को मंगलवार शाम यहां से श्रीनगर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया।

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश

रायसेन में क्वारैंटाइन सेंटर से संक्रमण फैलने की आशंका

क्वारैंटाइन सेंटर में रहते समय जमातीयों द्वारा नियमों का पालन नहीं करना भी संक्रमण फैलने की एक वजह बताई जा रही है

दरगाह में बनाए क्वारैंटाइन सेंटर में 22 मरीज मिलने के बाद सभी को पॉलीटेक्निक कॉलेज में बनाए गए नए क्वारैंटाइन सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है

नवप्रदेश संवाददाता

रायसेन। छोटे से कस्बे में 22 जमातीयों में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की बड़ी चूक नजर आ रही है। जमात से और अन्य स्थान से लौटे जिन मुस्लिम समाज के लोगों को भोपाल रोड स्थित दरगाह में बनाए गए क्वारैंटाइन सेंटर में रखा गया था। संक्रमण वहीं से फैलने की आशंका जताई जा रही है। क्वारैंटाइन सेंटर में रहते समय जमातीयों द्वारा नियमों का पालन नहीं करना भी संक्रमण फैलने की एक वजह बताई जा रही है। दरगाह में बनाए क्वारैंटाइन सेंटर में 22 मरीज मिलने के बाद सभी को पॉलीटेक्निक कॉलेज में बनाए गए नए क्वारैंटाइन सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। जिले में कुल 24 संक्रमित मरीज हैं। एक मरीज के ठीक होने पर उसे एम्स भोपाल से छुट्टी दे दी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रायसेन की दरगाह में बनाए गए क्वारैंटाइन सेंटर में एक तरह से बाहर से आए जमातीयों और अन्य लोगों को एक तरह से कैद कर दिया गया था। वहां उन्हें किसी तरह के दिशा-निर्देश नहीं दिए गए। कई लोगों के परिजन उन्हें इस दौरान घर से लाकर खाना देने आते थे। दरगार के अंदर बने मदरसे के तीन कमरों में 60 से ज्यादा लोगों को रखा गया था। यहां उनके लिए पीने के पानी के लिए भी दो ही मटके रखे गए थे। बताया जा रहा है कि क्वारैंटाइन सेंटर में 3 कमरों में 20-20 गद्दे जमीन पर डाल दिए गए। ये लोग जमीन पर ही सोते थे। गद्दों के बीच की दूरी भी दो फीट से ज्यादा नहीं थी। इस दौरान जमातीयों ने भी नियमों का पालन करने के बजाय नियमों की धज्जियां उड़ाई। ये भी पता चला है कि ये लोग दरगाह के अंदर बनी मस्जिद में ही सामूहिक नमाज भी पढ़ते थे।

पहले मरीज ने कोरोना को हराया

शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के पहले मरीज की तीसरी रिपोर्ट निगेटिव आई है। इस आधार पर उसे एम्स अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 8 अप्रैल को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे भोपाल एम्स अस्पताल भेज दिया गया था। यहां पर उसने डॉक्टरों द्वारा बताए गए टिप्स का पालन करते हुए कोरोना को हरा दिया है और वापस अपने घर लौट आया है। सोमवार की शाम वह एंबुलेंस से रायसेन पहुंचा।

संक्रमण के ऐसे फैलने की आशंका

जानकारी के अनुसार अगर समय रहते बाहर से आए लोगों को क्वारैंटाइन सेंटर में सैंपल लिए जाते तो संक्रमित मरीजों की संख्या 22 तक नहीं पहुंचती। आशंका जताई जा रही है कि एक-दो लोगों में संक्रमण हो सकता था। समय से जांच नहीं होने के कारण ये अन्य लोगों में फैल गया। अभी भी 26 जमातियों सहित अन्य लोगों की जांच रिपोर्ट आना बाकी हैं। हालांकि प्रशासन ने दरगाह में बनाए गए क्वारैंटाइन सेंटर से सभी मरीजों को पॉलीटेक्निक कॉलेज में बनाए गए नए क्वारैंटाइन सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है।

यहां के मरीज क्रिटिकल नहीं

कलेक्टर ने बताया कि रायसेन के मरीज माइल्ड सिस्टम वाले हैं, क्रिटिकल वाले नहीं है, इसलिए लोगों को डरने की जरुरत नहीं है। माइल्ड सिस्टम वाले मरीजों को जिला अस्पताल से 100 मीटर की दूरी पर रखना होता है, इसलिए उन्हें इंडियन चौराहे के कोरोना केयर सेंटर में रखा गया है।

न्यूज गैलरी

वैशाखी अमावस्या पर पितरों के लिए तर्पण करने से मिलेगा पुण्य लाभ

भोपाल। वैशाखी अमावस्या 22 अप्रैल को रेवती नक्षत्र में मनाई जाएगी। पितृ अमावस्या सुबह 5.37 मिनट से आरंभ होकर 23 अप्रैल सुबह 7.55 बजे तक रहेगी। हिंदू धर्म में अमावस्या का बड़ा महत्व है। इस वर्ष दो सोमवती अमावस्या, एक मौनी अमावस्या के साथ एक सर्व पितृ अमावस्या का योग बना है। अमावस्या को पितृ कार्यों के लिए बेहद शुभ माना जाता है। ज्योतिषाचार्य विनोद रावत ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अमावस्या तिथि के दिन पितरों का श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को मुक्ति प्राप्त होती है। लॉकडाउन के चलते लोग घरों में ही अमावस्या की पूजा करें।

स्नान-दान का अधिक महत्व

वैशाख अमावस्या के दौरान स्नान-दान का अत्यधिक महत्व होता है। इस दौरान नदियों में स्नान करना श्रेष्ठ माना गया है। इस वर्ष लॉकडाउन के कारण नदियों में स्नान करने का योग संभव नहीं हो सकेगा। अपने घर पर ही पवित्र नदियों का ध्यान करते हुए स्नान करें और जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज दान करें। इससे पुण्य लाभ होगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इसके लिए प्रात काल सूर्योदय के समय उठें। दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर स्नान के जल में नर्मदा, गंगा आदि किसी भी पवित्र नदी का जल मिला लें।

सभी मिलकर प्रदेश के विकास और कोरोना को परास्त करने के लिए काम करेंगे : शर्मा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने मंगलवार को प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल हुए पार्टी नेता डॉ.नरोत्तम मिश्रा श्री तुलसी सिलावट, श्री कमल पटेल, श्री गोविंद सिंह राजपूत एवं सुश्री मीना सिंह को बधाई दी है। शर्मा ने नवागत मंत्रियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी नेताओं के अनुभव का लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा। मंत्रिमंडल के गठन के साथ ही प्रदेश में व्यापक स्तर पर कोरोना के खिलाफ चल रही लड़ाई को और गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी मंत्री अपने कार्यों का निर्वहन कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास में भागीदार बनेंगे ही साथ ही पिछले लगभग डेढ़ साल से कमलनाथ की सरकार के दौरान जनता और शासन के बीच जो संवादहीनता बनी थी उसे खत्म करके अपने मध्य प्रदेश के उज्जवल भविष्य के लिए काम कर सकेंगे।

राज्य-स्तरीय कोरोना नियंत्रण कक्ष बना नागरिकों का मददगार, 20 हजार 481 लोगों की समस्याओं का समाधान किया

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के कारण लॉकडाउन के दौरान लोगों की दिक्कतों, जिज्ञासाओं आदि के त्वरित समाधान के लिये विशेष राज्य-स्तरीय नियंत्रण कक्ष (कन्ट्रोल रूम) भोपाल के स्मार्ट सिटी सेन्टर में संचालित किया जा रहा है। राज्य-स्तरीय नियंत्रण कक्ष को प्राप्त 22 हजार 468 फोनकॉल में से 20 हजार 481 में त्वरित कार्रवाई कर समाधान किया गया। नियंत्रण कक्ष द्वारा किये जा रहे सहयोग एवं सहायता से अब तक दो लाख 16 हजार 661 लोग लाभान्वित हो चुके हैं। राज्य-स्तरीय नियंत्रण-कक्ष को राशन, भोजन, आश्रय, चिकित्सा, परिवहन तथा अन्य प्रकार की सहायता एवं सहयोग के लिये प्राप्त होने वाले फोनकॉल को तीन अलग-अलग श्रेणी में दर्ज कर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश के वह नागरिक जो अन्य राज्यों में निवास कर रहे हैं, से प्राप्त 13 हजार 761 फोनकॉल में से 12 हजार 125 का निराकरण किया गया। प्रदेश के अन्दर ही अपने निवास के जिले से बाहर रुके हुए नागरिकों से प्राप्त 7 हजार 001 फोनकॉल में से 6 हजार 772 को चाहा गया सहयोग प्रदान किया गया। इसी प्रकार, अन्य राज्यों के मध्यप्रदेश में निवास कर रहे लोगों द्वारा किये गये 1706 फोनकॉल में से 1584 में मदद पहुँचाई जा चुकी है। नियंत्रण कक्ष में चिकित्सा, खाद्य, परिवहन तथा सामाजिक न्याय आदि विभाग के अधिकारी नियमित रूप से 24*7 उपस्थित हैं। नागरिकों के फोनकॉल पर प्राप्त सूचना के आधार पर संबंधित विभाग के अधिकारी त्वरित कार्रवाई करते हैं। नागरिकों द्वारा चाहे गये सहयोग अथवा मांग की पूर्ति होने पर निराकृत की गई शिकायतों के संबंध में उच्च अधिकारियों द्वारा सम्पर्क कर पुष्टि भी की जाती है।

हाईकोर्ट ने बदला आदेश; अब जबलपुर और ग्वालियर में भी 3 मई तक नहीं होगा नियमित कामकाज

प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रकरणों के मद्देनजर हाईकोर्ट प्रशासन ने यह फैसला लिया है

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए केवल अर्जेंट मामलों की सुनवाई होगी, पहले केवल इंदौर को बंद किया था

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अपना पूर्व का आदेश बदलते हुए सोमवार को नया परिपत्र जारी कर दिया है। इसके तहत अब मुख्यपीठ जबलपुर और ग्वालियर पीठ में भी 3 मई तक नियमित कामकाज नहीं होगा। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रकरणों के मद्देनजर हाईकोर्ट प्रशासन ने यह फैसला लिया है। चीफ जस्टिस एके मित्तल के आदेश के बाद रजिस्ट्रार जनरल राजेन्द्र कुमार वाणी ने इस संबंध में परिपत्र जारी कर दिया। इसके पहले 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री द्वारा देशव्यापी लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा के बाद मप्र हाईकोर्ट ने केवल इंदौर बैंच और प्रदेश की सभी अधीनस्थ अदालतों में 3 मई तक बंद करने के आदेश जारी किए थे। हाईकोर्ट ने मुख्यपीठ जबलपुर और ग्वालियर बैंच में 20 अप्रैल के बाद कामकाज शुरू करने के आदेश दिए थे, जिसे आज बदल दिया गया। अगले आदेश तक मुख्यपीठ जबलपुर, इंदौर एवं ग्वालियर पीठ में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अर्जेंट मामलों की सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 6 अप्रैल को देश भर के उच्च न्यायालयों को अर्जेंट मामलों की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए करने संबंधी गाइडलाइन जारी की थी।

नरोत्तम मिश्रा का सरकार बनवाने में रहा अहम रोल, अब बने मंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनाने में जिन लोगों का अहम रोल रहा है उनमें नरोत्तम मिश्रा का नाम भी शामिल है। भाजपा के कद्दावर नेता मिश्रा पहले भी शिवराज सरकार के दौरान महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे हैं। माना जा रहा है कि उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के साथ चिकित्सा शिक्षा की जिम्मेदारी दी जा सकती है। वे पहले भी इस विभाग के मंत्री रह चुके हैं। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए वे जल्द ही जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

ऐसा रहा है नरोत्तम मिश्रा का राजनीतिक सफर

दतिया विधानसभा सीट से छठवीं बार विधायक बने नरोत्तम मिश्रा सीएम शिवराज सिंह चौहान मंत्रिमंडल का सबसे खास चेहरा हैं। मध्य प्रदेश में इसके पहले रही भाजपा सरकार के दौरान वे जनसंपर्क मंत्री रहे थे। नरोत्तम मिश्रा के राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1977 में हुई जब वे पहली बार ग्वालियर में छात्र संघ के सचिव बने। 1990 में वे पहली बार विधायक बने और 1998 में उन्हें उत्कृष्ट विधायक का सम्मान भी मिला। इस दौरान वे भाजपा विधायक दल के सचेतक और लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य भी रहे। 2003 में सरकार में वे विधि एवं विधायी कार्य, संसदीय कार्य, सहकारिता, स्कूल शिक्षा मंत्री, नगरीय शासन एवं विकास में अलग-अलग समय पर मंत्री रहे। इस दौरान उन्हें उत्कृष्ट मंत्री का पुरस्कार भी मिला। इसके बाद 2008 में बनी सरकार में वे लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, संसदीय कार्य, विधि और विधायी कार्य, आवास और पर्यावरण मंत्री रहे। 2013 में फिर वे लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, आयुष, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, ससंदीय कार्य, जल संसधान और जनसंपर्क मंत्री रहे।

अब रेलवे पूरी करेगा पीपीई किट की कमी, भोपाल कारखाने में बनेंगे 4000 किट

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल । देश में पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्वीपमेंट (पीपीई) किट की कमी रेलवे पूरी करेगा। भोपाल के निशातपुरा रेल सवारी डिब्बा पुनः निर्माण कारखाने से यह काम शुरू हो गया है। सोमवार को 200 किट तैयार करने का काम पूरा कर लिया हैं। इनका ट्रायल सफल होने के बाद इन्हें रेलवे के निषातपुरा स्थित अस्पताल को सप्लाई किया है। जहां डॉक्टर्स, नर्सेस व पैरामेडिकल स्टाफ इनका उपयोग करेंगे। रेलवे बोर्ड ने इस कारखाने को मई 2020 तक 4000 किट बनाने को कहा है। रेल डिब्बा पुनः निर्माण कारखाने में सालाना 750 पुराने कोचों को पुनः निर्माण के तहत नया बनाया जाता है। इसके बाद ये 12 साल तक चलने में सक्षम होते हैं। फिलहाल

कोरोना महामारी के तहत ट्रेनों का परिचालन बंद हैं। कारखानों में डिब्बों का पुनः निर्माण करने की बजाए पुराने डिब्बों को मोबाइल आइसोलेशन वार्ड में बदला जा रहा है। इस कारखाने ने अभी तक 50 डिब्बों को आइसोलेशन वार्ड में बदला है। अब पीपीई किट बनाए जा रहे हैं। यह काम देष के अन्य कारखाने भी कर रहे हैं। मुख्य कारखाना प्रबंधक मनीष अग्रवाल ने बताया कि बोर्ड ने बॉडी कवर ऑल ड्रेस बनाने को कहा है। ये रक्षा अनुसंधान व विकास से अनुमोति हैं। आईएसओ मानक के तहत ये ड्रेस बनाए जा रहे हैं। इसके लिए रेलवे बोर्ड द्वारा पॉली प्रोपलीन फाइबर का कपड़ा उपलब्ध कराया है।

ऐसे बना रहे पीपीई किट

ये पॉली प्रोपलीन फाइबर के कपड़े से बनाए जा रहे हैं। इन्हें सिर से नीचे तक एक इकाई में सिल रहे हैं। सिलाई को टेप लगाकर सील किया जा रहा। ऐसा करने से वाइरस अंदर प्रवेश नहीं कर सकेगा। यह काम उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर कुमार आषीष की देखरेख में किया जा रहा है। इनका ट्रायल रेलवे अस्पताल में सफल रूप से हो चुका है।

इमरजेंसी सेवा के तौर पर शुरू हुआ इस्तेमाल, हॉस्पिटल जाने के लिए ही एप के जरिए किया जा सकेगा बुक

भोपाल में ओला कैब की इमरजेंसी सेवा शुरू, 50 कैब उतारी गई

मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में भोपाल के लोग ओला कैब का इस्तेमाल एंबुलेंस के तौर पर कर सकते हैं

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भोपाल में कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने इंदौर की तर्ज पर ओला कैब इमरजेंसी सेवा की शुरूआत की है। इनका इस्तेमाल एंबुलेंस की तरह होगा। पहले चरण में राजधानी में 50 कैब एंबुलेंस के तौर पर इस्तेमाल में लाई जाएंगी। कलेक्टर तरुण पिथोड़े ने इनके ड्राइवर्स से मंगलवार को बात की। उन्होंने सावधानी और मदद के बारे में समझाइश भी दी है। ओला कैब के ड्राइवर्स को कोरोना से बचाव के तमाम इंतज़ामों से लैस किया गया है। भोपालवासियों में से जिसे भी मेडिकल इमरजेंसी की जरूरत हो, वह एप के जरिए कैब बुक कर सकता है। इस सुविधा से शहर के 100 हॉस्पिटल को जो?ा गया है। डॉक्टर को दिखाने, मेडिकल इमरजेंसी और केवल हॉस्पिटल तक जाने के लिए ही यह सुविधा उपलब्ध होगी। इधर, भोपाल सिटी लिंक की बसों का उपयोग आवश्यक सामान की आपूर्ति में किया जा रहा है। बीसीसीएल की यह रेड बसें क्वारैंटाइन सेंटर तक लोगों को पहुंचाने का काम भी करेंगी। डॉक्टर नर्स नगर निगम कर्मचारी स्वास्थ्य और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ही अब बीसीसीएल के ड्राइवर ने भी लोगों की सेवा के लिए मोर्चा संभाल लिया है।

इमरजेंसी सेवा के तौर पर होगा इस्तेमाल

प्रदेश के कई जिलों में इमरजेंसी सेवा ना मिल पाने के कारण कई मरीज़ो को अपनी जान गवां कर इसका खामियाज़ा भुगतना पड़ा है। इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने अब ओला कैब को एम्बुलेंस के तौर पर इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। इसके लिए, पहले चरण में 50 ओला टैक्सी तैयार की गई हैं। इनके ड्राइवर्स को विशेष प्रशिक्षण, मास्क और सैनिटाइजर दिया गया है. जिससे वे अपने आपको सुरक्षित रख सकें। और बेहिचक मरीजों को अस्पताल तक पहुंचा सकें।

सांची पार्लर पर भी पहुंचा रहे राशन का सामान

सांची पार्लर पर जरूरत का सारा सामान जिला प्रशासन ने मुहैया कराया है। ऐसे में आम आदमी सांची पार्लर से भी राशन का सामान खरीद रहे हैं। सांची पार्लर तक बड़ी संख्या में राशन के सामान की आपूर्ति सिटी बसों से ही कराई जा रही है। सिटी बसें राजधानी के सारे सांची पार्लर पर फेरे लगाकर राशन का सामान पहुंचा रही हैं। वहीं किराना और थोक व्यापारियों तक भी सिटी बसों के जरिए राशन का सामान बड़े स्तर पर पहुंचाया जा रहा है ताकि संकट की इस घड़ी में जहां से आम आदमी को जरूरत का सामान मिलना है वहां पर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की कमी ना हो।

ड्राइवर की सुरक्षा का रखा गया पूरा ध्यान

बता दें, कोरोना वायरस की जद में डॉक्टर नर्स और पुलिसकर्मी भी आ चुके हैं। ऐसे में अब पूरी सुरक्षा के साथ सभी विभागों के कर्मचारियों को फील्ड पर उतारा जा रहा है। उन्हें पीपीई किट के साथ मास्क और ग्लव्स भी ड्राइवर को दिए गए हैं। सुबह और शाम के वक्त में सिटी बसों को सैनिटाइज भी किया जा रहा है ताकि ड्राइवर भी संक्रमण से बचे रहें।

भोपाल नगर निगम के कचरा वाहन से अवैध देशी शराब के साथ तीन सफाईकर्मी गिरफ्तार

पुलिस को पता चला है कि तीनों आरोपियों ने लॉकडाउन के कुछ दिन बाद शराब की दुकाने बंद होते ही शराब बेचने का काम शुरू किया था

शराब के बदले वे ये लोगों से मुंह मांगा पैसा वसूलते थे। नगर निगम का कचरा वाहन होने के कारण इनकी न तो तलाशी होती थी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र से आज सुबह पुलिस ने नगर निगम के एक कचरा वाहन से अवैध देशी शराब बरामद कर तीन आरोपियों(सफाईकर्मी) को गिरफ्तार कर लिया। राजधानी पुलिस की क्राइम ब्रांच अब ये पता करने की कोशिश कर रही है कि कहीं और लोग भी तो कचरा वाहन के सहारे शहर में शराब की सप्लाई तो नहीं कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार लालघाटी क्षेत्र स्थित तोप तिराहे के समीप सुबह नगर निगम के एक कचरा वाहन को रोका गया। तलाशी में वाहन से 81 लीटर (546 पाउच) अवैध कच्ची देशी शराब जब्त की गयी। पुलिस ने इस मामले में नगर निगम के तीन कर्मचारी सोन जटालिया, शंकर और बंटी पटोलिया को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए तीनों आरोपी नगर निगम के स्थाई कर्मचारी हैं, जो शाहजहानाबाद क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच आरंभ कर दी है। यह शराब गोदर मऊ में किसी महिला से लेना आरोपियों ने बताया है, जिसकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि तीनों आरोपियों ने लॉकडाउन के कुछ दिन बाद शराब की दुकाने बंद होते ही शराब बेचने का काम शुरू किया था। शराब के बदले वे ये लोगों से मुंह मांगा पैसा वसूलते थे। नगर निगम का कचरा वाहन होने के कारण इनकी पुलिस के किसी भी चैकिंग पाइंट पर न तो तलाशी होती थी और कहीं पर इनको रोका भी नहीं जाता था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लाट नंबर-3, नेशनल प्रेस एरिया, लिंक रोड नं-3 ,पत्रकार कॉलोनी के पास से मुद्रित कर, ई-2/237 अरेरा कालोनी भोपाल से प्रकाशित, प्रबंध संपादक डॉ. शिशिर उपाध्याय,
फोन नं : 0755-2465533, मो. 9039005699 (न्याय क्षेत्र भोपाल), MPHIN/2017/72749 email:navpradeshbhopal@gmail.com